लखनऊ

मंगलवार, 28 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 244

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"पढ़ाई में ध्यान लगाने का सबसे अच्छा तरीका है अपना लक्ष्य रोज़ याद करो और खुद को उसी दिशा में धकेलो।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

बंगाल चुनाव के बीच गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला, छह महीने बढ़ा डीजीपी का कार्यकाल, 30 अप्रैल को होने वाले थे रिटायर्ड

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्धनाथ गुप्ता का कार्यकाल 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। वे 30 अप्रैल को रिटायर होने वाले थे। उस कार्यकाल को और 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। गृह मंत्रालय ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर यह निर्देश दिया है। चुनाव शेड्यूल की घोषणा के बाद आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी को बदल दिया। पीयूष पांडे को डीजीपी के पद से हटा दिया गया। उनकी जगह सिद्धनाथ राज्य के नए डीजीपी बने। वे 1992 बैच के IPS हैं। साथ ही, उनका ट्रांसफर कोलकाता पुलिस कमिश्नर, एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) और राज्य पुलिस के डीजी (जेल) के पदों पर किया गया था। इस बार राज्य के डीजीपी सिद्धनाथ का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमिटी के सेक्रेटेरिएट ने एक नोटिफिकेशन में कहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिद्धनाथ का कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमिटी ने उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि यह फैसला ऑल इंडिया सर्विस (डेथ कम रिटायरमेंट बेनिफिट्स) एक्ट, 1958 के तहत पब्लिक इंटरेस्ट में लिया गया है। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य के मुख्य सचिव दुष्मंता नारीवाला को लेटर भेजकर निर्देश दिए। चुनाव शेड्यूल के ऐलान के बाद, कमीशन ने राज्य के मुख्य सचिव और गृह सचिव का भी ट्रांसफर कर दिया। कमीशन ने नंदिनी चक्रवर्ती को चीफ सेक्रेटरी के पद से हटा दिया।

तेजी से बढ़ रही सप्लाई, रसोई में नहीं होगी अब गैस की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार ने लोगों को राहत भरी खबर दी है। सरकार ने सोमवार को कहा कि भले ही मिडिल ईस्ट तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा दबाव डाला है लेकिन देश में उर्वरकों और ईंधन की कोई कमी नहीं है। उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा शर्मा ने सोमवार को मंत्रिस्तरीय ब्रीफिंग में कहा, 'उर्वरकों की उपलब्धता मजबूत बनी हुई है और आपूर्ति आवश्यकता से कहीं अधिक है। सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता लगातार जरूरत से ज्यादा है और अब तक किसी भी प्रकार की कमी की कोई सूचना नहीं मिली है।' शर्मा ने अप्रैल महीने की स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2026 से 26 अप्रैल 2026 तक यूरिया की उपलब्धता 71.58 लाख मीट्रिक टन है, जबकि आवश्यकता केवल 18.17 लाख मीट्रिक टन थी। इसी तरह DAP की उपलब्धता 22.35 लाख मीट्रिक टन है जबकि देशभर में इसकी जरूरत 5.90 लाख मीट्रिक टन ही है। शर्मा ने कहा कि अप्रैल में आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक रही है। साथ ही पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने ईंधन की उपलब्धता पर बात करते हुए बताया कि कमर्शियल LPG का आवंटन 70 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। कुछ वितरक केंद्रों पर घबराहट में खरीदारी की घटनाएं आने के बावजूद सरकार के पास एलपीजी की पर्याप्त आपूर्ति है और किसी भी वितरक के पास कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि अधिकांश डिलीवरी अब प्रमाणीकरण प्रणाली के माध्यम से हो रही हैं।

पढ़ाई, लिखाई और दवाई हमारी प्राथमिकता: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम ने बैरकपुर से बंगाल को दी पांच गारंटी

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है।

रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।

'जनता ही मेरा परिवार है और उनके बीच रहकर सुकून मिलता है'

उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है। पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को 'तीर्थ यात्रा' जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही।

बैरकपुर से पीएम मोदी की 5 बड़ी गारंटी

पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।

तीसरी गारंटी में रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को सीधे नियुक्ति पत्र देने की बात कही गई है। वहीं चौथी गारंटी के तहत राज्य में सातवें वेतन आयोग को तुरंत लागू करने का वादा किया गया। पांचवीं और अहम गारंटी में पीएम मोदी ने कहा कि राज्य से पलायन रोकने के लिए गांवों में 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि लोगों को अपने ही क्षेत्र में काम मिल सके।

TMC के पास न तो विजन है और न ही कुछ करने की नीयत

इस दौरान प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के पास बंगाल के विकास के लिए कोई स्पष्ट योजना नहीं है। पार्टी ने अपने 15 साल के शासन का कोई ठोस हिसाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि न तो उनके पास विजन है और न ही कुछ करने की नीयत। पीएम मोदी ने आगे कहा कि टीएमसी के शासन में सिंडिकेट राज और अवैध गतिविधियां बढ़ी हैं, जिन्हें खत्म करना जरूरी है।

कालीबाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की

रैली से पहले पीएम मोदी ने कोलकाता के ऐतिहासिक थंथानिया कालीबाड़ी मंदिर में पूजा-अर्चना कर मां काली का आशीर्वाद भी लिया। यह मंदिर 300 साल से अधिक पुराना और श्रद्धालुओं के बीच बेहद आस्था का केंद्र माना जाता है। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार कौस्तव बागची, तृणमूल कांग्रेस के मौजूदा विधायक राज (राजू) चक्रवर्ती और सीपीआई(एम) के सुमन रंजन बंद्योपाध्याय के बीच त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा है। बैरकपुर विधानसभा सीट उत्तर 24 परगना जिले में स्थित है और यहां दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

बंगाल में गरजे सीएम योगी : 'दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं, हिंदू त्योहारों पर पाबंदी', ममता पर तुष्टीकरण का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले सियासी माहौल और गर्म हो गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुगली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी सरकार पर तीखे आरोप लगाए। सीएम योगी ने कहा कि बंगाल अब बदलाव चाहता है और टीएमसी की राजनीति तुष्टिकरण पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में घुसपैठ को बढ़ावा दिया जा रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो चुकी है।

हिंदू त्योहारों पर रोक और तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप

योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में कहा 'बंगाल की डेमोक्रेसी को बदला जा रहा है। यहां जय श्री राम बोलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है, मां दुर्गा पूजा और मां दुर्गा पूजा विसर्जन की मूर्ति विसर्जन के शोभा यात्रा को प्रतिबंधित किया जाता है। लेकिन ममता दीदी सड़कों पर नमाज पढ़वाती हैं और इफ्तारी की दावत कराती हैं। कोई भी हिंदू पर्व-त्योहार होने पर कर्फ्यू रहता है, सरेआम हत्या होती है, लव और लैंड जिहाद की घटनाएं घटित हो रही हैं, लेकिन टीएमसी मौन है।' सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद टीएमसी में घबराहट है और अब जनता बदलाव के मूड में है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों के बाद बंगाल में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिलेगा।

टीएमसी ने बंगाल को कंगाल बना दिया- सीएम

उन्होंने ने कहा कि यूपी में गौ माता की रक्षा हो रही है और समाज को बांटने की कोशिशों पर रोक लगी है। उन्होंने 2017 से पहले के यूपी का जिक्र करते हुए कहा कि तब गुंडागर्दी और दंगे आम थे, लेकिन अब पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 'राम' के नारे से उन्हें परेशानी होती है और पिछले 15 साल में टीएमसी ने बंगाल को कंगाल बना दिया है। CM ने आरोप लगाया कि बंगाल में सनातन परंपराओं की खुलकर बात नहीं होती, सड़कों पर नमाज होती है, जबकि दुर्गा विसर्जन पर पाबंदी लगाई जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन टीएमसी इस पर मौन है।

बंगाल रवाना होने से पहले सीएम योगी ने निभाया जनसेवा का वादा, बोले- अब नहीं चलेगी हीलाहवाली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प. बंगाल रवाना होने से पहले जनसेवा का संकल्प भी पूरा किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी और अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समयसीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ति को सूचित करना होगा। 'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई? पता चला-नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं।

ममता बनर्जी ने किया जीत का दावा ; बोलीं- मां माटी मानुष की लहर, अब सिर्फ वक्त का इंतजार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी की जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मां, माटी, मानुष की जीत अब भविष्यवाणी नहीं, बल्कि सिर्फ समय की बात है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित पदयात्राओं और जनसभाओं में आम लोगों का जबरदस्त उत्साह, स्नेह और भावनात्मक समर्थन देखकर वह बेहद प्रभावित हुई हैं। उन्होंने लिखा कि यह रिश्ता वर्षों से हर चुनौती के समय जनता के साथ खड़े रहने से बना है। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल सदियों से सौहार्द, संस्कृति और सभ्यतागत गौरव का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र धरती पर उन विभाजनकारी और विनाशकारी ताकतों के लिए जगह नहीं , जो बंगाल को उसके अधिकारों से वंचित रखना चाहती हैं। ऐसी ताकतें बंगाल की विरासत को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता की लालसा में जनता के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों को बंगाल की जागरूक और एकजुट जनता लोकतांत्रिक जवाब देगी।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार के विकास कार्य राज्य के हर कोने तक पहुंचे हैं और कोई भी दुर्भावनापूर्ण ताकत इस रफ्तार को रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि जनता केंद्रित कल्याणकारी योजनाएं बंगाल के लोगों की सुरक्षा कवच हैं और दुनिया की कोई ताकत इन्हें छीन नहीं सकती। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि राज्य की जनता हमेशा की तरह विकास, शांति और प्रगति के पक्ष में खड़ी रहेगी।

वोटरों से की खास अपील

दूसरे चरण के मतदान से पहले ममता बनर्जी ने राज्य के सभी नागरिकों से अपील की कि भाषा, संस्कृति और बंगाल की गौरवशाली विरासत की रक्षा के लिए 29 अप्रैल को जोराफूल चुनाव चिन्ह का बटन दबाएं और मां, माटी, मानुष उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताएं। पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी चरम पर है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

'उन दोनों का एक बच्चा है, अब वह रेप का आरोप लगा रही हैं?', लिव-इन रिलेशनशिप पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लिव इन रिलेशनशिप को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि, ऐसे रिश्ते से बाहर निकलना अपने आप में कोई आपराधिक जुर्म नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि आपसी सहमति से बने रिश्तों और यौन अपराधों के बीच स्पष्ट अंतर समझना जरूरी है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। महिला ने एक व्यक्ति पर शादी का झूठा वादा करके रेप और मारपीट करने का आरोप लगाया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब दो बालिग बिना शादी के साथ रहने का फैसला करते हैं, तो ऐसे रिश्तों में कुछ जोखिम भी होते हैं।

जस्टिस नागरत्ना ने आगे सवाल उठाया कि अगर रिश्ता आपसी सहमति से बना था, तो उसे बाद में आपराधिक मामले में कैसे बदला जा सकता है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी माना कि इस तरह के सवालों को अक्सर पीड़ित को शर्मिंदा करने के रूप में देखा जाता है, लेकिन उन्होंने सहमति की प्रकृति को समझने पर जोर दिया।

बच्चे के अधिकार सुरक्षित : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने आगे कहा कि कई बार लिव-इन रिश्ते लंबे समय तक चलते हैं, लेकिन टूटने के बाद विवाद खड़े हो जाते हैं और शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं। मामले में महिला के वकील ने दलील दी कि आरोपी ने पीड़ित विधवा महिला से शादी का वादा किया और बच्चा भी पैदा किया था। जब वह पीड़िता से मिला था तब वह 18 साल की थी। इस दौरान उसने महिला को यह नहीं बताया कि, वह पहले से शादीशुदा है। इस पर कोर्ट ने पूछा कि महिला ने शादी किए बिना ही उसके साथ रहने और बच्चा पैदा करने का फैसला क्यों किया। हालांकि, कोर्ट ने महिला के प्रति सहानुभूति भी जताई और कहा कि वह अपने बच्चे के लिए गुजारा-भत्ता मांग सकती है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि शादी के बाहर पैदा हुआ बच्चा नाजायज नहीं माना जा सकता और उसके अधिकार सुरक्षित हैं। अंत में कोर्ट ने दोनों पक्षों को सलाह दी कि वे इस विवाद को आपसी बातचीत और मध्यस्थता के जरिए सुलझाने की कोशिश करें।

लद्दाख में अब 7 जिले, एलजी सक्सेना ने 5 नये जिले को दी मंजूरी, बोले- ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने केंद्र शासित प्रदेश में पाँच नए ज़िलों के गठन की घोषणा की, और इसे इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया। इसके साथ ही, लद्दाख में अब मौजूदा दो ज़िलों के बजाय सात ज़िले हो जाएँगे। मौजूदा दो ज़िले लेह और कारगिल हैं।

एक्स पर एक पोस्ट में एलजी ने कहा कि उन्होंने पाँच ज़िलों के गठन के लिए अधिसूचना को मंज़ूरी दे दी है, जिससे लोगों की एक लंबे समय से चली आ रही माँग पूरी हो गई है। पाँच नए ज़िलों - नुब्रा, शाम, चांगथांग, ज़ांस्कर और द्रास - के निर्माण के साथ, लद्दाख में अब मौजूदा दो ज़िलों के बजाय सात ज़िले हो जाएँगे।

MHA ने अगस्त 2024 में प्रस्ताव को मंज़ूरी दी थी

उन्होंने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक विकसित और समृद्ध लद्दाख के विज़न के अनुरूप है। इस फ़ैसले को इससे पहले अगस्त 2024 में गृह मंत्रालय (MHA) से मंज़ूरी मिल चुकी थी। एलजी सक्सेना ने कहा कि नए ज़िलों के बनने से ज़मीनी स्तर पर शासन मज़बूत होगा, प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा और सार्वजनिक सेवाओं की तेज़ डिलीवरी सुनिश्चित होगी, खासकर दूरदराज और दुर्गम इलाकों में। उन्होंने कहा, 'यह परिवर्तनकारी फ़ैसला, जिसे गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने अगस्त 2024 में ही मंज़ूरी दे दी थी, ज़मीनी स्तर पर शासन को मज़बूत करेगा, प्रशासन का विकेंद्रीकरण करेगा और लद्दाख के लोगों, खासकर दूरदराज और दुर्गम इलाकों में रहने वालों तक सार्वजनिक सेवाओं की तेज़ डिलीवरी सुनिश्चित करेगा।

लद्दाख के पाँच नए ज़िले

नुब्रा
शाम
चांगथांग
ज़ांस्कर
द्रास

'आपने सबसे रिस्की काम क्या किया है?', राहुल गांधी के सवाल पर डीयू की छात्रा का जवाब हुआ वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्राओं के साथ संवाद कर रहे हैं। इस दौरान एक पल ऐसा भी आया जब एक लड़की के जवाब ने वहां मौजूद सभी लोगों को हैरान कर दिया।

बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने छात्राओं से पूछा कि उन्होंने अब तक सबसे जोखिम भरा काम कौन सा किया है, इस पर एक लड़की ने व्यंगात्मक अंदाज में जवाब दिया, 'कांग्रेस में शामिल होगा।' छात्रा का जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग ठहाका लगाकर हंसने लगे। छात्रा का जवाब कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर एक तंज था। इस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यह वाकई जोखिम भरा है।

एक विचारधार को नहीं दे सकते अनुमति- राहुल गांधी

एजूकेशन सिस्टम पर बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब बीजेपी हारेगी, तो भारत को कुछ तत्वों को हटाने के लिए एक-एक करके सभी संस्थाओं से गुजरना होगा। जैसे कि शिक्षा व्यवसाय में, हम किसी एक विचारधारा के लोगों को हर चीज तय करने की अनुमति नहीं दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें इसे अपने संस्थानों से बाहर करना ही पड़ेगा।

ट्रक की टक्कर से ऑटो के उड़े परखच्चे, तीन की मौत, तीन अस्पताल में लड़ रहे जिंदगी की जंग

जौनपुर में भीषण हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जौनपुर-रायबरेली हाईवे पर सतहरिया के आगे पुलिया के पास सुबह करीब 6 बजे सवारियों से भरा एक ऑटो रिक्शा तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से भाग गया।

कैसे हुआ हादसा

ऑटो मछलीशहर से मुंगरा बादशाहपुर की तरफ सवारियों को लेकर आ रहा था। जैसे ही वह सतहरिया पुलिया के पास पहुंचा सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी।

पुलिस ने शुरू किया राहत कार्य

मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दुबे और सतहरिया चौकी इंचार्ज धनंजय राय ने पुलिस बल के साथ राहत कार्य शुरू किया। किसी तरह से ऑटो में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया भेजा गया। चिकित्सकों ने छह घायलों में से तीन को मृत घोषित कर दिया।

ये हुए हादसे का शिकार

मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार मिश्र (53) निवासी सोहसा, थाना मुंगराबादशाहपुर, शिव शंकर शर्मा (53) निवासी धौरहरा, थाना मुंगराबादशाहपुर और बरसाती (42) निवासी गंगापुर, थाना मछलीशहर के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायलों में राकेश बिंद (32) निवासी नंदापुर, मछलीशहर, प्रणव पांडेय (19), निवासी धौरहरा मुंगराबादशाहपुर और अजीत यादव (36) निवासी कटाहित खास, मछलीशहर शामिल हैं।

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है और सभी घायलों का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी ट्रक चालक को पकड़ लिया जाएगा।

महिला आरक्षण पर सियासत, मंच पर सम्मान, सवालों पर मौन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। महिला आरक्षण के मुद्दे पर सियासत का असली चेहरा अब धीरे-धीरे सामने आने लगा है। मंचों से नारी सम्मान के बड़े-बड़े दावे करने वाले नेता जब पत्रकारों के सीधे सवालों से घिरे तो जवाब देने के बजाय शब्दों की गोल-गोल जलेबी बनाते नजर आए। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के फेल होने के बाद सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर विपक्ष पर हमलावर दिखे। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राजद पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने खूब राजनीतिक तीर चलाए लेकिन जैसे ही सवाल आया कि आप अपनी पार्टी और सहयोगी दल में 33ः महिलाओं को टिकट कब देंगे। नेता जी की जुबान ने ब्रेक लगा लिया। पत्रकारों के तीखे सवालों पर राजभर ने सीधे जवाब देने के बजाय तकनीकी और कानूनी प्रक्रिया का हवाला देना ज्यादा सुरक्षित समझा। पंचायत चुनाव और हाईकोर्ट के फैसलों की आड़ में सवालों को ऐसे टाला गया जैसे गर्म तवे से हाथ खींच लिया जाता है। इस पूरे कार्यक्रम में सबसे ज्यादा चर्चा रही सैकड़ों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मौजूदगी को लेकर। सवाल उठ रहा है क्या ये स्वेच्छा से आई थीं या निर्देश पर। सरकारी मानदेय पाने वाली इन महिलाओं की राजनीतिक रैली में भागीदारी ने विपक्ष को नया मुद्दा दे दिया है। कैमरे देखकर बचती कार्यकत्रियां और उनके चेहरे की झिझक बहुत कुछ बयां कर गई। कलेक्ट्रेट गेट पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में राहुल गांधी और अखिलेश यादव का पुतला फूंका गया। माहौल इतना गरम हो गया कि आग बुझाने के लिए फायर टेंडर तक बुलाना पड़ा। राजनीति की गर्मी का तापमान शायद कुछ ज्यादा ही बढ़ गया था। जब सुल्तानपुर की दो विधानसभा सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित करने का सवाल उठा तो माहौल अचानक बदल गया। सवाल पूरा भी नहीं हुआ था कि प्रेस कॉन्फ्रेंस ही खत्म हो गई जैसे फिल्म का क्लाइमेक्स आने से पहले ही पर्दा गिर जाए। एक तरफ मंच से महिला सशक्तिकरण के वादे दूसरी तरफ अपने ही दल में आरक्षण पर चुप्पी यही विरोधाभास अब चर्चा का विषय बन चुका है। महिला सम्मान की राजनीति और महिला हिस्सेदारी की सच्चाई के बीच का अंतर अब खुलकर सामने आ रहा है। इस पूरी सियासी पटकथा में एक बात साफ दिखी नारे तेज हैं, लेकिन नीयत पर सवाल और भी तेज और जब सवाल असली होते हैं तो जवाब अक्सर गोलमोल ही निकलते हैं। अब देखना

डीएम इंद्रजीत सिंह का औचक निरीक्षण, सफाई व्यवस्था पर कड़ा रुख

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। नवागत जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने नगर पालिका क्षेत्र के कई वार्डों का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की हकीकत परखी। उनके अचानक दौरे से नगर पालिका प्रशासन में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

डीएम ने सीताकुंड और सिविल लाइन वार्ड में पहुंचकर कूड़ा निस्तारण, नालियों की सफाई और स्वच्छता व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी लालचंद सरोज, सफाई इंस्पेक्टर अधूलिका सिंह समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ निर्देश दिए कि शहर में नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा डीएम ने नगर पालिका कार्यालय का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की, जिससे अधिकारियों में बेचैनी देखी गई। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी की सक्रियता की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि अब शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। औचक निरीक्षण से यह संकेत मिला है कि प्रशासन अब स्वच्छता को लेकर सख्त रवैया अपनाने के मूड में है।

बेड के अंदर सामान रखने वाली जगह बना रखा था तहखाना, वहीं से चल रही थी अवैध हथियारों की फैक्ट्री

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना लोहियानगर क्षेत्र में स्वाट टीम, सर्विलांस टीम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। इस कार्रवाई में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मौके से भारी मात्रा में बने और अधबने हथियारों के साथ निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।

यह अवैध शस्त्र फैक्ट्री डबल बेड के अंदर सामान रखने वाली जगह में छेद कर जमीन के अंदर रास्ता बनाकर चलाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम अल्लीपुर स्थित एक मकान के भीतर तहखाने में अवैध रूप से पिस्टल बनाने का काम चल रहा है। सूचना के आधार पर टीमों ने छापेमारी की, जहां डबल बेड के नीचे बने गुप्त तहखाने में फैक्ट्री संचालित होती मिली। मौके से असलम नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसने पूछताछ में पूरे नेटवर्क का खुलासा किया।

पिस्टल की कीमत 60 हजार तक

जांच में सामने आया कि यह फैक्ट्री रहीमुद्दीन नाम का व्यक्ति चला रहा था। ये कच्चा माल उपलब्ध कराता था और तैयार हथियारों की बिक्री का नेटवर्क संभालता था। असलम और उसके साथी मिलकर तहखाने में पिस्टल तैयार करते थे, जिन्हें बाद में अलग-अलग ग्राहकों को बेचा जाता था। पुलिस के मुताबिक, इन अवैध पिस्टलों की कीमत 35 हजार से 60 हजार रुपये तक तय की जाती थी।

सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी और कुल 11 आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मेरठ, बागपत और मुजफ्फरनगर के निवासी शामिल हैं। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल तीन कारों को भी कब्जे में लिया है। बरामदगी में 8 तैयार .32 बोर पिस्टल, 3 अधबनी पिस्टल, 2 बैरल, 2 स्लाइड, 12 मैगजीन समेत बड़ी संख्या में हथियार बनाने के औजार जैसे ग्राइंडर, ड्रिल मशीन, हथौड़ी, आरी, रेती और वेल्डिंग सामग्री शामिल है। इसके अलावा अधबनी मैगजीन और अन्य पुर्जे भी मौके से बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी पहले भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं और कई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। मामले में थाना लोहियानगर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और यह भी जांच की जा रही है कि तैयार हथियारों की सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की जा रही थी।

27 अप्रैल को गौ–सम्मान दिवस घोषित करने की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गौमाता के संरक्षण और संवर्धन को लेकर राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट कर्मवीर सिंह के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संगठन के जिला संयोजक उदय प्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने ज्ञापन के जरिए कुल 9 मांगें रखीं। इनमें प्रमुख रूप से हर वर्ष 27 अप्रैल को गौ-सम्मान दिवस घोषित करने, गो-पालक किसानों को प्रति गोवंश प्रोत्साहन राशि देने तथा प्रदेश की सभी गौशालाओं में भोजन और चिकित्सा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि गौवंश की सुरक्षा और संरक्षण केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्व-पूर्ण है। यदि सरकार गो-पालकों को प्रोत्साहन दे और गौशालाओं की व्यवस्थाएं मजबूत करे, तो इससे किसानों को राहत मिलेगी और गौवंश की बेहतर देखभाल सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई। संगठन के राकेश सिंह दद्दू ने कहा कि गौ-सम्मान दिवस घोषित होने से समाज में गौवंश के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और संरक्षण को और बल मिलेगा। इस दौरान सनी मिश्रा, धर्मेंद्र तिवारी, अतुल गोस्वामी, बृजेश कुमार, सोनू शर्मा, वेद प्रकाश मिश्रा सहित संगठन के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रात को बेडरूम में भतीजी संग पकड़ा गया चाचा, शर्मिंदगी में पिता ने खाया जहर

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के खुटार कस्बे से रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया है। यहां एक सगे चाचा ने ही पवित्र रिश्ते को कलंकित करते हुए अपनी 16 वर्षीय नाबालिग भतीजी का अपहरण कर लिया। इस शर्मनाक हरकत और भाई के विश्वासघात से आहत होकर किशोरी के पिता ने मौत को गले लगाने की कोशिश की है।

यह पूरी वारदात शनिवार रात की है। खुटार कस्बे में रहने वाले एक परिवार की नींद उस वक्त उड़ गई जब रात करीब 1:30 बजे किशोरी की मां की अचानक आंख खुली। कमरे में रोशनी करने पर उन्होंने देखा कि उनकी 16 साल की बेटी तख्त पर बैठी हुई थी और किसी से बात कर रही थी या गुनगुना रही थी। मां को कुछ अनहोनी का आभास हुआ तो उन्होंने अपने पति को जगाया।

जब माता-पिता ने मिलकर कमरे की सघन तलाशी ली, तो जो नजारा दिखा उसने उनके होश उड़ा दिए। तख्त के नीचे किशोरी का सगा चाचा (पिता का सगा छोटा भाई) छिपा हुआ था। पकड़े जाने के डर से आरोपी चाचा ने अपने ही भाई-भाभी को जोर से धक्का दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला।

भोर होते ही बेटी भी हुई लापता

आधी रात को हुए इस हंगामे के बाद घर में कोहराम मचा था। माता-पिता अपनी बेटी को समझाने और उससे पूछताछ करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसी बीच भोर में करीब 4 बजे, जब सबकी नजरें बची थीं, किशोरी भी घर से रहस्यमयी तरीके से गायब हो गई। सुबह जब खोजबीन की गई तो पता चला कि आरोपी चाचा भी अपने घर पर नहीं है। परिवार को समझते देर नहीं लगी कि रात में पकड़ा गया सगा भाई ही अपनी भतीजी को साथ लेकर फरार हो गया है।

अपनों के धोखे ने पिता को तोड़ा, खाया जहर समाज में होने वाली बदनामी और अपने सगे भाई के इस घिनौने कृत्य को पीड़ित पिता बर्दाश्त नहीं कर सका। "रक्षक ही भक्षक बन गया" वाली इस स्थिति ने उसे मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया। ग्लानि और हताशा में आकर पिता ने जहरीला पदार्थ (विषाक्त) खा लिया। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से गंभीर हालत के चलते डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। फिलहाल पिता की हालत नाजुक बनी हुई है।

महिलाओं और ग्रामीणों को किया गया जागरूक

सुल्तानपुर। नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति अभियान के तहत ग्राम अखंड नगर में एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपनिरीक्षक कृष्णा शुक्ला, दीवान राकेश राजपूत और महिला होमगार्ड सोना देवी के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने गांव की महिलाओं, बालिकाओं और आम नागरिकों को उनके अधिकारों, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपनिरीक्षक कृष्णा शुक्ला ने बताया कि संकट के समय त्वरित सहायता प्राप्त करने के लिए सरकार ने कई टोल-फ्री नंबर जारी किए हैं, जिनकी जानकारी हर नागरिक को होनी चाहिए ताकि विषम परिस्थितियों में उनका लाभ उठाया जा सके। हेल्पलाइन नंबरों के अलावा, महिला होमगार्ड सोना देवी ने उपस्थित महिलाओं को राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

पानी के छींटे गिरने पर हुआ विवाद, चाकुओं से गोदकर युवक की ले ली जान... आरोपी की तलाश में बागपत पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। बागपत में पड़ोसी मकान में मौजूद लोगों पर पानी की छींटें गिरने से शुरू हुई बहस खून-खराबे में बदल गई। तनाव इतना बढ़ गया कि पड़ोसियों ने परिवार पर हमला बोल दिया। चाकुओं से गोदकर युवक की हत्या कर डाली। बचाव को आई मृतक की मां, बहन, भाई व पिता पर भी चाकुओं से ताबड़तोड़ प्रहार किए गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया, जबकि घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, मामला बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के बड़का रोड का है। यहां पर एक महिला गुड्डो पत्नी आस मोहम्मद अपने मकान की छत पर पानी डालकर सफाई कर रही थी। इसी बीच पानी की छींटें पड़ोस वाले घर में मौजूद लोगों पर जा गिरीं। इसी मामूली बात को लेकर पड़ोसियों ने आस मोहम्मद के घर पर हमला बोल दिया।

घर में मौजूद सुएब (उम्र 25 वर्ष) को चाकुओं से गोद डाला, जिससे सुएब ने मौके पर दम तोड़ दिया। बचाव को आई मृतक की मां गुड्डो, पिता आस मोहम्मद, बहन फरहा, छोटे भाई फरमान को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा। इन पर भी चाकुओं से ताबड़तोड़ हमले कर घायल कर दिया गया।

दोनों पक्षों के बीच इस दौरान जमकर पथराव भी हुआ, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। घटना को अंजाम देकर हमलावर वहां से भाग निकले। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया, जबकि अन्य सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस संबंध में बड़ौत कोतवाली प्रभारी दीक्षित त्यागी का कहना है कि मृतक परिवार की तरफ से तहरीर प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। हमलावरों की तलाश के लिए टीम भी गठित कर दी गई है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस तैनात कर दी गई है।

मुंबई टू प्रतापगढ़... शुरू हो रही अमृत भारत ट्रेन; कितने होंगे ठहराव और क्या होगी टाइमिंग?

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। यूपी के प्रतापगढ़ जिले के लोगों के लिए खुशखबरी है। प्रतापगढ़ से मुंबई के लिए सीधी ट्रेन शुरू हो रही है, जिससे मुंबई जाने वाले यात्रियों को बहुत राहत मिलेगी। 28 अप्रैल से अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन शुरू होने जा रहा है, जो अयोध्या से मुंबई तक चलेगी और प्रतापगढ़ जंक्शन पर भी इसका ठहराव होगा। इस नई सेवा से क्षेत्र के हजारों यात्रियों को मुंबई तक सीधी और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा।

इस अवसर पर प्रतापगढ़ जंक्शन पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सांसद शिवपाल सिंह पटेल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक सहित रेलवे के कई अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। यह ट्रेन प्रतापगढ़ जंक्शन से शाम 6 बजकर 20 मिनट पर गुजरेगी, जिससे यात्रियों को समय के लिहाज से भी काफी सुविधा होगी।

अयोध्या से शुरू होगा संचालन

अमृत भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ अयोध्या धाम जंक्शन से 28 अप्रैल को शाम 4 बजकर 45 मिनट पर किया जाएगा। इसके बाद यह ट्रेन कई प्रमुख स्टेशनों से होते हुए मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस तक पहुंचेगी। इस नई ट्रेन सेवा को यात्रियों की बढ़ती मांग और बेहतर कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए शुरू किया जा रहा है। इस नई ट्रेन का संचालन सप्ताह में एक ही दिन किया जाएगा।

ये होगा फायदा?

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस ट्रेन के शुरू होने से खास तौर पर उन लोगों को फायदा होगा जो रोजगार, शिक्षा या अन्य कारणों से मुंबई आते-जाते हैं। अब उन्हें लंबी दूरी की यात्रा के लिए बेहतर और सीधा विकल्प मिल सकेगा। साथ ही, यह ट्रेन क्षेत्रीय विकास और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देने में मददगार साबित होगी। स्थानीय लोगों में इस नई ट्रेन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। लोगों का मानना है कि इससे न सिर्फ यात्रा आसान होगी, बल्कि समय और खर्च दोनों की बचत भी होगी। अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन प्रतापगढ़ और आसपास के इलाकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ0प्र0शाखा सुलतानपुर का अधिवेशन सम्पन्न

सुल्तानपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश जिला शाखा सुलतानपुर का अधिवेशन/चुनाव स्वाशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय सुलतानपुर के प्रांगण में चुनाव अधिकारी ओम प्रकाश गौड़ एवं सहायक चुनाव अधिकारी शेष नरायन मिश्र के देख रेख में संपन्न कराया गया। जिसमें जनपद के कर्मचारियों ने अपनी भागीदारी करते हुए जिला शाखा के पदाधिकारियों का चयन किया। जिसमें निम्नलिखित पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

विनोद कुमार यादव अध्यक्ष,नन्हें सिंह, जिला मंत्री,राम रतन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष,अभिषेक कुमार सिंह, उपाध्यक्ष,देवेंद्र कुमार त्रिपाठी, संयुक्त मंत्री,दिलदार अहमद, संगठन मंत्री,सुरेश नरायन तिवारी, प्रचार मंत्री, कुसुम लता यादव, प्रचार मंत्री,मंयक चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष, विजय चंद्र चौधरी, आडीटर के पर चुने गए।

33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं का हक, हर हाल में दिलाएंगे : ओमप्रकाश राजभर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी दलों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए सड़कों पर उतरकर आक्रोश व्यक्त किया। भाजपा महिला नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जन-आक्रोश महिला सम्मेलन, पैदल मार्च और पुतला दहन के माध्यम से कांग्रेस व समाजवादी पार्टी की कथित महिला विरोधी मानसिकता को बेनकाब किया।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिले के प्रभारी एवं पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण आधी आबादी का अधिकार है और इसे दिलाने के लिए एनडीए पूरी मजबूती से संघर्ष करेगा। उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा ने न केवल महिला आरक्षण का विरोध किया, बल्कि देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ विश्वासघात किया है। मंत्री राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर गाजीपुर की घटना को लेकर जातीय तनाव भड़काने का आरोप लगाते हुए कहा कि अखिलेश यादव राजनीतिक घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत कर जातीय संघर्ष कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव केवल चुनिंदा मामलों में ही संवेदना जताते हैं, जबकि अन्य मामलों में चुप्पी साध लेते हैं। प्रियंका गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही,लेकिन 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू नहीं कर सकी।भाजपा सरकार ऐतिहासिक कदम उठा रही है तो विपक्ष विरोध की राजनीति कर रहा है।पंचायत चुनाव के सवाल पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है और न्यायालय के निर्णय के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।इसके बाद खुर्शीद क्लब स्थित अटल सभागार में आयोजित जन-आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री राजभर ने कहा कि जब भी महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने की बात आती है, विपक्षी दल भ्रम और झूठ का सहारा लेकर उन्हें रोकने का प्रयास करते हैं। जिला मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने बताया कि कार्यक्रम के बाद मंत्री ओमप्रकाश राजभर, जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह,शहर विधायक विनोद सिंह,राज प्रसाद उपाध्याय,राजेश गौतम, प्रवीन कुमार अग्रवाल,योगेंद्र प्रताप सिंह, कार्यक्रम जिला संयोजक विजय त्रिपाठी के नेतृत्व में महिलाओं ने खुर्शीद क्लब से तिकोनिया पार्क तक विशाल पैदल मार्च निकाला।

जनता दर्शन में उपमुख्यमंत्री ने सुनी सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 7 कालिदास मार्ग पर आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग, युवा, किसान तथा दिव्यांगजन अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। उपमुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।जनता दर्शन में मुख्य रूप से विकास कार्यों से जुड़ी समस्याएं सामने आईं, जिनमें नाली निर्माण, खड़ंजा मार्ग तथा पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायतें प्रमुख रहीं। इसके अतिरिक्त राजस्व विवाद, पुलिस प्रशासन से संबंधित शिकायतें, प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभ में आ रही बाधाएं तथा गंभीर बीमारियों के इलाज और अन्य व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहायता से जुड़े प्रकरण भी बड़ी संख्या में प्रस्तुत किए गए।जनसमस्याओं की गंभीरता को देखते हुए उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से ही विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान फतेहपुर, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, मुजफ्फरनगर, अम्बेडकर नगर तथा लखीमपुर खीरी के जिलाधिकारियों से संपर्क किया गया। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से वाराणसी के पुलिस आयुक्त तथा आजमगढ़, उन्नाव, रामपुर और कन्नौज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों से भी वार्ता की गई। इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त प्रयागराज, इफको के जनरल मैनेजर, एनसीआर के जीएम तथा मिर्जापुर के बेसिक शिक्षा अधिकारी से भी आवश्यक निर्देशों के संबंध में बातचीत की गई।जनता दर्शन के दौरान कुशीनगर निवासी दिव्यांग राम आसरे यादव ने अपने आवास से संबंधित समस्या उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखी। उपमुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रकरण में तत्काल कार्रवाई करते हुए पात्रता के अनुसार लाभ सुनिश्चित कराया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रत्येक फरियादी को न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पनकी व जवाहरपुर ताप विद्युत गृहों के O&M निजीकरण के प्रस्ताव का बिजली कर्मियों ने किया विरोध

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने पनकी (660 मेगावाट) एवं जवाहरपुर (2×660 मेगावाट) ताप विद्युत गृहों के परिचालन एवं अनुरक्षण (ओ एंड एम) कार्य को यूनिफाइड टेंडर के माध्यम से निजी कंपनियों को सौंपे जाने के प्रस्ताव पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि पनकी और जवाहरपुर ताप बिजली घरों के परिचालन एवं अनुरक्षण कार्य को आउटसोर्स करने के लिए कोई एकतरफा टेंडर जारी किया गया, तो बिजली कर्मी तत्काल कार्यस्थल से बाहर आकर व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे और प्रदेशव्यापी आंदोलन को तेज किया जाएगा।संघर्ष समिति की कोर कमेटी की 26 अप्रैल 2026 को आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस जनविरोधी एवं कर्मचारी-विरोधी निर्णय का पुरजोर विरोध किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पनकी एवं जवाहरपुर की सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित अत्याधुनिक इकाइयाँ प्रदेश की महत्वपूर्ण विद्युत परियोजनाएँ हैं, जिनके निर्माण में जनता की गाढ़ी कमाई के हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। जवाहरपुर परियोजना पर लगभग 14 हजार करोड़ रुपये तथा पनकी ताप विद्युत गृह पर लगभग 8 हजार करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। ऐसे में इन परियोजनाओं के परिचालन एवं अनुरक्षण का कार्य निजी कंपनियों को सौंपना न केवल अनुचित है, बल्कि जनहित के भी प्रतिकूल है।संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि इस प्रकार के निर्णय से सार्वजनिक क्षेत्र कमजोर होगा और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ मिलेगा।

○ संक्षेप ○

ट्रक-बाइक की टक्कर में युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

लखनऊ। थाना इंटौजा क्षेत्र में सोमवार सुबह कुमरांवा रोड स्थित सोनारन पुरवा के पास ट्रक और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस के अनुसार 27 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 7:40 बजे थाना इंटौजा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि कुमरांवा रोड, सोनारन पुरवा के पास एक ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो गई है, जिसमें बाइक सवार घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी अरविन्द तिवारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे।मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने देखा कि ट्रक संख्या यूपी 34 सी 9129 और मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर में मोटरसाइकिल सवार प्रशांत सिंह (25) पुत्र उदयभान सिंह निवासी बाहरगांव सिवरी, थाना इंटौजा की मौके पर ही मृत्यु हो गई। वहीं दूसरे सवार वीरपाल सिंह (30) पुत्र घनश्याम सिंह निवासी माधवपुर मरपा, थाना इंटौजा गंभीर रूप से घायल पाए गए।घायल वीरपाल सिंह को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर, केजीएमयू लखनऊ रेफर कर दिया गया। वर्तमान में उसका उपचार जारी है।मौके पर मौजूद परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक आपस में मित्र थे और पिछली रात जनपद बाराबंकी में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद सुबह अपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह दुर्घटना हो गई।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है। प्रकरण में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

जेवर एयरपोर्ट से जुड़ने पर एक फ्लाइट महीने में बचाएगी एक करोड़, यूपी में महज एक प्रतिशत लगता है वैट

लखनऊ। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लॉन्च के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले वैट यानी टैक्स का मुद्दा गरमा गया है। नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बीच एटीएफ पर वैट की दरों में भारी अंतर एयरलाइंस के लिए बड़ी चिंता का विषय बन रहा है। यह भविष्य में उड़ानों और परिचालन रणनीति को प्रभावित कर सकता है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एटीएफ पर 25 प्रतिशत लगने वाला बैट उत्तर प्रदेश में महज 1 प्रतिशत रह जाता है। विमानन उद्योग के अनुसार, कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में टैक्स में मामूली बदलाव भी कंपनियों के मुनाफे पर सीधा असर डालता है। वैट में अंतर का सीधा सा अर्थ है कि लखनऊ के बाद जेवर एयरपोर्ट से एयरलाइंस कंपनियों का परिचालन दिल्ली के मुकाबले काफी सस्ता पड़ेगा। उन्हें सीधे-सीधे 24 फीसदी की बचत होगी दिल्ली में एटीएफ की कीमत करीब 96000 रुपये प्रति किलोलीटर है, जिस पर 25 प्रतिशत वैट जोड़ने से 24000 रुपये किलोलीटर अतिरिक्त लागत आती है। वहीं उत्तर प्रदेश में एक किलोलीटर एटीएफ 80164 रुपये का है। इस पर वैट केवल 802 रुपये है। उड़ान के नजरिये से देखें तो लखनऊ-दिल्ली रूट पर एक सामान्य विमान करीब 3 किलोलीटर ईंधन खपत करता है। ऐसे में दिल्ली से ईंधन भराने पर एयरलाइंस को एक तरफ की उड़ान पर ही जेवर की तुलना में लगभग 72 हजार रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। यानी केवल जेवर से जुड़ने पर एक फ्लाइट हर महीने एक करोड़ से ज्यादा की बचत केवल सस्ते ईंधन से कर लेगी।

मनमानी पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, बिड रिजेक्ट करने पर जताई नाराजगी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अहम आदेश में स्पष्ट किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा जरूरी दस्तावेज देने के बावजूद बिड (बोली) खारिज किया जाना मनमाना और भेदभाव पूर्ण है। कोर्ट ने यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की बिड, जरूरी दस्तावेज देने के बावजूद खारिज कर दी गई, माना कि टेंडर देने वाले अधिकारी की फ़ैसला लेने की प्रक्रिया भेदभावपूर्ण है। इसलिए कोर्ट ने पूरी टेंडर प्रक्रिया पर रोक लगा दी और प्रतिवादियों को फिलहाल टेंडर के तहत कोई भी कॉन्ट्रैक्ट देने से मना कर दिया है।

न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने ने यह आदेश मेसर्स एसोसिएटेड जूट इंडस्ट्रीज की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। इसमें याची की बिड को तकनीकी आधार पर खारिज किए जाने को चुनौती दी गई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम लिमिटेड ने अलग-अलग क्षमता वाले हाई डेंसिटी (एंटी-स्किड) पॉली एथिलीन बोरे (बिना लैमिनेशन वाले) और सर्कुलर लूम पर बुने हुए बैग की सप्लाई के लिए एक टेंडर का विज्ञापन निकाला था। याचिकाकर्ता ने जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी बिड जमा की थी। याचिकाकर्ता फर्म की ओर से दलील दी गई कि परचेज ऑर्डर और सर्टिफ़िकेट से यह पता चलता था कि याचिकाकर्ता द्वारा सप्लाई किए गए बैग उसी तरह के थे और याचिकाकर्ता के पास टेंडर को पूरा करने की तकनीकी विशेषज्ञता थी। फिर भी बिड को मनमाने आधारों पर खारिज कर दिया गया। इसे, इस आधार पर खारिज किया गया कि याचिकाकर्ता ने टेंडर की शर्तों के मुताबिक परचेज़ ऑर्डर और सफलतापूर्वक काम पूरा होने का सर्टिफिकेट अपलोड नहीं किया।

एलनसॉली शोरूम का शटर तोड़कर चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार, चोरी का माल व ऑटो

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना अलीगंज पुलिस ने शोरूम का शटर तोड़कर कपड़े, जूते और नकदी चोरी करने की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी गया माल तथा घटना में प्रयुक्त ऑटो भी बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ पहले से कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं।पुलिस के अनुसार 20 अप्रैल 2026 को वादी आमिर हुसैन रिजवी निवासी बी-10/18 एलनसॉली शोरूम सेक्टर-के, थाना अलीगंज ने लिखित तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोरों द्वारा उनके शोरूम का शटर तोड़कर कपड़े, लेडीज पर्स, जेंट्स शू तथा करीब 9,500 रुपये नकद चोरी कर लिए गए हैं। इस संबंध में थाना अलीगंज पर मुकदमा संख्या 064/2026 धारा 305(ए)/324(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक अलीगंज ने मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की। गठित टीम संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि शोरूम से चोरी करने वाला एक व्यक्ति केंद्रीय विद्यालय की बाउंड्री के पास गोयल चौराहे पर ऑटो लेकर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मुखबिर के साथ बताए गए स्थान पर पहुंची, जहां ऑटो में बैठा एक व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत हुआ। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम सलमान पुत्र अली अहमद उर्फ इल्लन निवासी मकान संख्या 2/8 डूडा कॉलोनी, थाना पीजीआई (मूल पता रईश नगर तहसीनगंज, थाना ठाकुरगंज) लखनऊ बताया। उसकी उम्र लगभग 28 वर्ष है और वह पेशे से ऑटो चालक है।पुलिस ने अभियुक्त की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चोरी गया सामान बरामद किया। इसके बाद अभियुक्त की निशानदेही पर अन्य बरामदगी की गई। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 331(4)/317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई और अभियुक्त को उसके द्वारा किए गए अपराध से अवगत कराते हुए 26 अप्रैल 2026 को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एलनसॉली कंपनी के कुल 30 सामान बरामद किए हैं, जिनमें चार हैंड बैग, चार लोवर, 11 टी-शर्ट, तीन जीन्स पैंट, दो बेल्ट, चार सैंडल, एक ब्लेजर तथा एक जोड़ी जूते शामिल हैं। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त ऑटो संख्या यूपी-32-वाईएन-0740 भी बरामद किया गया है।पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त सलमान के विरुद्ध पूर्व में थाना गोमतीनगर सहित अन्य थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट तथा गैंगस्टर एक्ट के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी अन्य थानों एवं इकाइयों से जुटाई जा रही है।इस कार्रवाई को थाना अलीगंज पुलिस टीम ने अंजाम दिया, जिसमें उपनिरीक्षक शुभम तिवारी, उपनिरीक्षक नितेन्द्र कुमार कुर्मी, कांस्टेबल रजत यादव, अमन कुमार शुक्ला तथा कौशलेन्द्र यादव शामिल रहे।

न्यायालय के गैरजमानती वारंट पर फरार चल रहा अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। विशेष न्यायालय एनआई एक्ट द्वारा जारी गैरजमानती वारंट के मामले में थाना जानकीपुरम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लंबे समय से न्यायालय में पेश न होने वाले एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार पीठासीन अधिकारी, विशेष न्यायालय एनआई एक्ट, जनपद लखनऊ द्वारा एनबीडब्ल्यू परिवाद संख्या 45504/20, धारा 138 एनआई एक्ट थाना विकासनगर लखनऊ से संबंधित वारंटी अभियुक्त संतोष कुमार मौर्या पुत्र रमेश चंद्र मौर्या निवासी ईएल-2/13 सेक्टर-एफ, थाना जानकीपुरम, लखनऊ को 26 अप्रैल 2026 को शाम 6:50 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की उम्र लगभग 37 वर्ष बताई गई है और वह पेशे से चालक है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा गैरजमानती वारंट जारी किया गया था, क्योंकि वह नियत तिथि पर न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। बार-बार नोटिस और वारंट जारी होने के बावजूद न्यायालय में पेश न होने के कारण उसे वारंटी घोषित किया गया था। इसी क्रम में थाना जानकीपुरम पुलिस को अभियुक्त की तलाश के लिए निर्देशित किया गया था।निर्देशों के अनुपालन में थाना जानकीपुरम की पुलिस टीम ने अभियुक्त की संभावित लोकेशन पर निगरानी रखी और आवश्यक सूचनाएं एकत्र कीं। तत्पश्चात 26 अप्रैल 2026 की शाम पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को थाना लाकर आवश्यक पूछताछ की गई और उसके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध दर्ज प्रकरण धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित है, जिसमें न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य था। न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने और नियत तिथि पर उपस्थित न होने को गंभीरता से लेते हुए उसके विरुद्ध गैरजमानती वारंट जारी किया गया था। इस गिरफ्तारी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राघवेन्द्र पाण्डेय तथा कांस्टेबल दिलीप श्रीवास्तव शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि किसी भी वारंटी अभियुक्त को कानून से बचने का अवसर न मिल सके।

पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने पर मंत्री राजभर ने दिया बड़ा बयान, चुनाव को लेकर भी की टिप्पणी

लखनऊ। यूपी के पंचायती राज मंत्री और सुल्तानपुर जिले के प्रभारी ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। जिले में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार पंचायत चुनाव कराए जाएंगे। समय पर चुनाव नहीं हो पाने के आसार पर उन्होंने साफ किया कि कोर्ट के आदेश के अनुसार ही प्रशासक नियुक्त किए जाएंगे या फिर पंचायत का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। नारी शक्ति वंदन बिल गिरने के बाद जिले में पहुंचे पंचायती राज मंत्री सोमवार को जिला पंचायत सभागार में मीडिया से बात कर रहे थे। इसके बाद वह भाजपा महिला मोर्चा की ओर से नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन व कांग्रेस और सपा के खिलाफ आयोजित रैली में हिस्सा लेंगे। राजभर ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना परिसीमन करके महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की थी पर विपक्ष ने इसमें अड़ंगा लगा दिया।

इकाना में मंगतेर की बैटिंग देख झूम उठीं सांसद प्रिया सरोज, चार छक्के लगते ही बोलीं- वंस मोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुकाबले में रिंकू सिंह की विस्फोटक पारी पर उनकी मंगेतर और सपा सांसद प्रिया सरोज उत्साह से झूम उठीं। लगातार चार छक्के लगते ही वह सीट से खड़ी हो गईं और कोलकाता का झंडा लहराते हुए रिंकू का उत्साह बढ़ाया।

उन्होंने 'वंस मोर' कहकर खुशी जताई। प्रिया सरोज ने कहा कि रिंकू ने आज अपने पिता की याद में शानदार पारी खेली है। मैच में रिंकू ने नाबाद 83 रन बनाए और सुपर ओवर में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

प्रिया सरोज ने कहा, आज रिंकू सिंह ने मेरे फादर इन ला (ससुर) के लिए शानदार पारी खेली है। आज हम उन्हें बहुत मिस कर रहे हैं। दरअसल, रिंकू के पिता खानचंद का 27 फरवरी को निधन हो गया था। वे फोर्थ स्टेज लिवर कैंसर से जूझ रहे थे। वो 60 साल के थे।

प्रिया सरोज के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दोनों बेटियां अदिति और टीना भी मैच देखने पहुंची थीं। उन्होंने भी रिंकू को चीयर किया। रविवार को KKR ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के हीरो रिंकू सिंह रहे।

कृष्णानगर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, 500 सीसीटीवी खंगालकर दो शातिर गिरफ्तार, पांच वाहन बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना कृष्णानगर पुलिस ने क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक सक्रिय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने करीब 400 से 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पांच चोरी के वाहन बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में से एक के विरुद्ध विभिन्न थानों में पहले से ही चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार 13 अप्रैल 2026 को वादी नटवर लाल गौर निवासी प्रेमनगर आलमबाग, थाना कृष्णानगर की तहरीर पर मुकदमा संख्या 165/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वादी ने बताया था कि 12 अप्रैल 2026 की देर रात उनके घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा संख्या यूपी-32-आरटी-0873 चोरी कर लिया गया। इसी क्रम में एक अन्य वादी सूरज वर्मा निवासी पिलखनी पुखरायां, जनपद कानपुर देहात (वर्तमान पता आशुतोष नगर शिवम पार्क, थाना कृष्णानगर) की तहरीर पर 13 अप्रैल 2026 की देर रात घर के बाहर खड़ी सीटी-100 मोटरसाइकिल संख्या यूपी-92-एस-2780 चोरी होने के संबंध में मुकदमा संख्या 183/2026 धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने क्षेत्र के विभिन्न मार्गों और कॉलोनियों में लगे करीब 400 से 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का सूक्ष्म विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित की गई और उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी गई।इसी क्रम में 27 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने आशाराम बापू मार्ग पर घेराबंदी कर दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शैलेन्द्र पुत्र स्वर्गीय भगवानदास उर्फ भगवानदीन निवासी किराये का मकान संख्या 82/2 आसरा कॉलोनी हंसखेड़ा, थाना पारा (स्थायी पता देवीगंज रामादेवी थाना चकेरी, जनपद कानपुर) तथा नितेश कुमार शाह पुत्र प्रेमनाथ शाह निवासी कन्हैया माधवपुर-द्वितीय बेगरिया, थाना दुबग्गा के रूप में हुई है।पुलिस पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे वाहन चोरी करने के अभ्यस्त अपराधी हैं और विभिन्न स्थानों से ई-रिक्शा एवं मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें सुनसान स्थानों पर खड़ा कर देते थे। इसके बाद अवसर मिलने पर वाहनों को ठिकाने लगाने की योजना बनाते थे। अभियुक्तों की निशानदेही पर नितेश के किराये के आवास काशीराम कॉलोनी हंसखेड़ा, थाना पारा से तीन अन्य चोरी के वाहन बरामद किए गए।बरामद वाहनों की ई-चालान ऐप के माध्यम से जांच करने पर सभी वाहन अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पंजीकृत पाए गए। अभियुक्तों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उन्होंने कृष्णानगर, मोहन रोड, हरदोई रोड तथा लालाबाग पुल क्षेत्र से अलग-अलग समय पर दो ई-रिक्शा और तीन मोटरसाइकिल चोरी की थीं।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से एक ई-रिक्शा (मुकदमा संख्या 165/2026), एक अन्य चोरी का ई-रिक्शा, एक सीटी-100 मोटरसाइकिल (मुकदमा संख्या 183/2026) तथा दो अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें (स्प्लेंडर एवं सीटी-100) बरामद की हैं।

दस लाख नहीं देने पर हंगामा, कन्या पक्ष बोला- नहीं होगी विदाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज में सोमवार सुबह सिटी मैरिज लॉन में दहेज में दस लाख रुपये नहीं देने पर वर और कन्या पक्ष में विवाद हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को काफी समझाया। मगर कन्या पक्ष ने दुल्हन को विदा करने से मना कर दिया। ऐसे में वर पक्ष को लौटना पड़ा।

बालागंज निवासी युवक ने बताया कि उन्होंने बेटी की शादी नैनीताल के तल्लीताल निवासी युवक से तय हुई थी। रविवार को सिटी लॉन बारात आई थी। सारी रीति रिवाज और शादी हुई। सुबह दूल्हा दहेज में पांच सोने के गहने, दस लाख रुपये और एक हीरे की अंगूठी की मांग करने लगा। असमर्थता जताने पर आरोपी और उसके घरवाले हंगामा करने लगे। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। वहीं, मौके पर पहुंचे चौकी इंचार्ज आम्रपाली राज बहादुर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुबह विदाई के समय कन्या पक्ष ने दूल्हे को उपहार में सोने की अंगूठी मिली थी, जो टूटी निकली थ। दूल्हे ने कन्या पक्ष को अंगूठी की मरम्मत कराने की बात कही थी। यह बात कन्या पक्ष को नागवार गुजरी और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को करीब तीन घंटे तक समझाया। मगर दुलहन के पिता विदाई के लिए माने। ऐसे में बरात को ऐसी ही लौटना पड़ा। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह के मुताबिक दुलहन के पिता ने तहरीर दी है। जांच के दौरान साक्ष्य मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

भारत के खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम को नई मजबूती दे रही पीएलआईएसएफपीआई योजना

भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र तेजी से देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। कृषि उत्पादन, मूल्यवर्धन, रोजगार सृजन और निर्यात वृद्धि को गति देने में इस क्षेत्र की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसी दिशा में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना देश के खाद्य मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मार्च 2021 में स्वीकृत इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक 10,900 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लागू किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य भारतीय खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों को बिक्री वृद्धि, उत्पादन विस्तार और वैश्विक ब्रांडिंग के माध्यम से मजबूत बनाना है। सरकार का लक्ष्य प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ लगभग 2.5 लाख रोजगार सृजित करना था, जिसे योजना ने पहले ही पार कर लिया है।

फरवरी 2026 तक योजना के अंतर्गत 165 आवेदनों को मंजूरी दी जा चुकी है, जो 274 परियोजना स्थलों से संबंधित हैं। लाभार्थियों को अब तक 2,162.55 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है। योजना के माध्यम से लगभग 3.39 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जो निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक है। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षमता में प्रतिवर्ष 34 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि दर्ज की गई है।

यह योजना तीन प्रमुख घटकों पर आधारित है। पहले घटक के तहत रेडी-टू-कुक एवं रेडी-टू-ईट उत्पाद, प्रसंस्कृत फल एवं सब्जियां, समुद्री उत्पाद और मोजरेला पनीर जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूसरे घटक में एमएसएमई इकाइयों के नवाचार एवं जैविक उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जबकि तीसरे घटक के तहत भारतीय खाद्य ब्रांडों की विदेशों में ब्रांडिंग और मार्केटिंग को सहायता प्रदान की जा रही है।

योजना के अंतर्गत पोषक अनाज (मिलेट) आधारित उत्पादों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। इसके लिए अलग से पीएलआईएसएमबीपी घटक तैयार किया गया, जिससे मिलेट आधारित खाद्य उत्पादों के उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिला है।

पीएलआईएसएफपीआई ने निजी निवेश आकर्षित करने में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। लाभार्थियों द्वारा अब तक 9,207 करोड़ रुपये के निवेश की सूचना दी गई है। योजना में एमएसएमई की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही है। स्वीकृत 165 आवेदनों में से 69 एमएसएमई श्रेणी से संबंधित हैं, जबकि कई संविदा निर्माण इकाइयां भी इस श्रेणी में शामिल हैं।

निर्यात के मोर्चे पर भी योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। कृषि प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में 2019-20 की तुलना में 2024-25 तक 13.23 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं अप्रैल 2021 से सितंबर 2025 तक योजना से जुड़े लाभार्थियों की संचयी निर्यात बिक्री 89 हजार करोड़ रुपये से अधिक रही।

कुल मिलाकर, पीएलआईएसएफपीआई योजना देश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ कृषि और उद्योग के बीच मजबूत सेतु का कार्य कर रही है। निवेश, उत्पादन, रोजगार और निर्यात वृद्धि के माध्यम से यह योजना भारत को वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

स्व-जनगणना में बढ़ा जनउत्साह: डिजिटल भागीदारी से आकार ले रहा 'नवा छत्तीसगढ़'

ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद नागरिकों को एक 'एसई आईडी' प्राप्त होती है। जब प्रगणक घर पहुंचेगा, तो नागरिक केवल यह आईडी साझा कर सकते हैं

रमेश जायभाये

छत्तीसगढ़ के वनांचलों से लेकर शहरों की गलियों तक, अगले कुछ महीनों में एक बड़ा प्रशासनिक और तकनीकी बदलाव दस्तक देने वाला है। भारत की आगामी जनगणना 2027 केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य की योजनाओं का आधार स्तंभ बनने जा रही है। इस बार की जनगणना अपनी पारंपरिक पहचान को छोड़कर पूरी तरह डिजिटल अवतार में नजर आएगी, जिससे छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई गति मिलने की उम्मीद है।

अब वो दौर गया जब प्रगणक बड़े-बड़े रजिस्टर लेकर घर-घर पहुंचते थे। जनगणना 2027 देश की पहली कागज रहित या डिजिटल जनगणना होगी। छत्तीसगढ़ में इसके लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रगणक अब हाथों में स्मार्टफोन और विशेष रूप से तैयार मोबाइल ऐप लेकर पहुंचेंगे। इस डिजिटल बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बस्तर के सुदूर गांवों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक का डेटा रियल-टाइम में सुरक्षित सर्वर पर अपलोड होगा, जिससे इंसानी गलतियों की गुंजाइश कम होगी और डेटा अधिक सटीक रूप में उपलब्ध होगा।

राज्य में इस महाअभियान को दो प्रमुख हिस्सों में बांटा गया है:

मकानसूचीकरण इसकी शुरुआत 1 मई से 30 मई 2026 के बीच होगी। इससे पहले 16 अप्रैल से स्व-जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसे नागरिकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

जनसंख्या गणनाः मुख्य जनगणना फरवरी 2027 में होगी, जिसे मार्च 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा।

इस बार की सबसे बड़ी खासियत स्व-जनगणना है। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया शुरू हुए आठ दिन से अधिक समय हो चुका है और लोगों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में नागरिक ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर रहे हैं, अपनी जानकारी भर रहे हैं और सफलतापूर्वक फॉर्म सबमिट भी कर रहे हैं।

ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद नागरिकों को एक 'एसई आईडी' प्राप्त होती है। जब प्रगणक घर पहुंचेगा, तो नागरिक केवल यह आईडी साझा कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। यह सुविधा पूरी तरह स्वैच्छिक है। जो लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं कर पाएंगे, उनके घर प्रगणक जाकर आवश्यक विवरण एकत्र करेंगे।

मकानसूचीकरण के दौरान प्रगणक आपसे 33 मुख्य सवाल पूछेंगे। ये सवाल केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अगली पीढ़ी की जरूरतों को समझने का जरिया हैं। इसमें घर की बनावट, पीने के पानी का स्रोत, बिजली, शौचालय की सुविधा और परिवार के पास मौजूद संसाधनों (जैसे मोबाइल, इंटरनेट, वाहन) की जानकारी ली जाएगी। सरकार इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय करेगी कि प्रदेश के किन इलाकों में नए स्कूल, अस्पताल या सड़कों की जरूरत है।

अक्सर लोगों के मन में डेटा की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते हैं। लेकिन सरकार ने साफ किया है कि जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत नागरिकों की जानकारी पूरी तरह गोपनीय है। इस डेटा का उपयोग किसी पुलिस जांच, इनकम टैक्स या अदालती कार्यवाही में नहीं किया जा सकता। यह केवल विकास की योजनाएं बनाने के लिए इस्तेमाल होगा।

छत्तीसगढ़ जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र में इस कार्य को अंजाम देने के लिए एक बड़ी प्रशासनिक टीम तैयार की गई है। राज्य के 33 जिलों और 20 हजार गांवों में डेटा जुटाने के लिए लगभग 62,500 अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं, जिन्हें आधुनिक ऐप चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

'हमारी जनगणना - हमारा विकास' का संदेश यह बताता है कि यह डेटा आपके हक की लड़ाई लड़ने में मदद करता है। सटीक आंकड़ों से ही छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिलने वाले बजट और संसाधनों का सही हिस्सा मिलता है। चाहे वह अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं हों या शहरी गरीबों के लिए आवास, सब कुछ इसी गणना पर निर्भर है।

प्रशासन ने किसी भी शंका के समाधान के लिए टोल-फ्री नंबर 1855 जारी किया है। याद रखें, जनगणना में आपकी सही भागीदारी ही 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के सपने को साकार करेगी। अब जबकि स्व-जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और नागरिक सक्रिय रूप से इसमें भाग ले रहे हैं, यह डिजिटल महाअभियान राज्य के विकास की नई दिशा तय करने की ओर बढ़ रहा है।

टिप्पणी

आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 साल पहले ओडिशा के पारादीप में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिफाइनरी के उद्घाटन के समय कहा था कि भारत 2022 तक तेल आयात को 10 फीसदी कम करेगा। ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा। लेकिन 10 साल के बाद भारत का तेल आयात कम से कम पांच फीसदी बढ़ गया है और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के जरिए जो आत्मनिर्भरता की बात हो रही थी उसमें भी भारत चीन के ऊपर निर्भर हो गया है। चाहे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी हो या सोलर प्लेट्स हों इन सबके लिए चीन पर निर्भरता है। सोलर प्लेट्स भारत बनाने भी लगे तब भी उसके लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति चीन से ही होती है। चांदी भी उसी में से एक उत्पाद है। सो, आत्मनिर्भर भारत का पूरा गेम चीन के हाथ में है। यानी अगर भारत ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत विकसित करना चाहेगा तो उसका लाभ भी चीन को मिलेगा।

जैसे आत्मनिर्भर होने के लिए चीन पर निर्भरता अनिवार्य है वैसे ही अभी गैस का जो संकट बढ़ा है उससे निपटने के लिए भी चीन की ही जरुरत है। भारत में गैस की किल्लत हुई है तो लोग बिजली से चलने वाले इंडक्शन चुल्हा खरीद रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पहले भारत में एक महीने में एक लाख 80 हजार इंडक्शन कुक टॉप बिकता था और अब एक दिन में एक लाख बिक रहा है। इसकी बिक्री बढ़ने का मतलब है चीन की चांदी होना। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत का 85 से 90 फीसदी इंडक्शन चुल्हा चीन से आयात होता है। इसके बाद पांच फीसदी आयात वियतनाम से होता है। असल में चीन भारी मात्रा में इस तरह के इलेक्ट्रिक उपकरण बनाता है। उसके यहां इसके पार्ट्स सस्ते मिलते हैं और गांव गांव में कंपनियां खुली हुई हैं।

भारत में भी कुछ कंपनियां इंडक्शन चुल्हे सहित कई इलेक्ट्रिक उपकरण बनाती हैं। इनमें बजाज इलेक्ट्रिक, टीटीके प्रेस्टिज, हैवेल आदि। लेकिन ये कंपनियां भी सीधे इंडक्शन चुल्हे का आयात चीन से कर लेती हैं या चीन से कल पुर्जे मंगा कर भारत में उनको असेम्बल करती हैं। यानी वे अपना उत्पाद नहीं बनाती हैं। चीन से आयात करके उस पर अपना लेबल लगा कर बेचती हैं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा इंडक्शन कुक टॉप आयात करने वाला देश है। गैस संकट के समय जब लोग इसकी तरफ शिफ्ट हो रहे हैं तो उसका भी फायदा चीन को हो रहा है।

अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए नाले से गैस बनाने का प्रोजेक्ट चालू हो या बायोगैस प्लांट्स लगाए जाएं तो उसके लिए भी जो जरूरी मशीनरी और उपकरण हैं उनका आयात ही करना होगा। बायोगैस प्लांट के लिए जरूरी उपकरणों में से 60 फीसदी आयात जर्मनी से होता है। उसके बाद करीब 25 फीसदी आयात इजराइल से और 15 फीसदी के करीब चीन से आयात होता है। सो, हर हाल में आत्मनिर्भर भारत को दूसरे देशों पर ही निर्भर रहना होगा।

ब्लॉग

ट्रैक से संसद तक: क्यों भारत के भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को करना चाहिए

डॉ. पी टी ऊषा

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी ज़रुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है।

यही कारण है कि संविधान (एक सौ अ_ाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023—नारी शक्ति वंदन अधिनियम—केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक ज़रुरी कदम है।

जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है।

पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। वे एक ऐसी व्यवस्था का परिणाम हैं, जिसने धीरे-धीरे ही सही, पहुंच को व्यापक बनाना शुरू किया। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है।

सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं।

भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है।

ये महज़ ₹महिलाओं के मुद्दे₹ नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं।

इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है। यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है।

भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है।

विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है।

अधिक समावेशी संसद न केवल एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी है। भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं।

संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज़ समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो।

शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है।

भारत में सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है।

जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है।

आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है।

भारत की महिलाओं ने खेल जगत, सशस्त्र बलों, विमानन और व्यावसायिक पदों पर पहले ही कई बाधाओं को पार कर लिया है। विधायी प्रतिनिधित्व इस यात्रा का स्वाभाविक अगला कदम है।

राज्यसभा में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे विविध दृष्टिकोण बहस और निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। फिर भी, आज लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल लगभग 15 प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। अब बस इसे पूरी तरह, निष्ठापूर्वक और बिना देर किए लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की ज़रुरत है।

भारत अपनी आधी आबादी को सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकायों में कम प्रतिनिधित्व देते हुए, विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकता। आधी प्रतिभा को दरकिनार करके विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता, न ही आधी आवाज़ पर सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है।

आगे का रास्ता साफ है। सवाल यह है कि क्या हम उस पर चलने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

(लेखक राज्यसभा सांसद, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ, भारत की अध्यक्ष हैं।)

'जिम में सात महीने में तीन बड़े विवाद, फिर भी पुलिस क्यों रही मेहरबान?'

बुलंदशहर ट्रिपल मर्डर में ये सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। कानून का खौफ जब खत्म हो जाए और खाकी सुस्त पड़ जाए, तो अंजाम बुलंदशहर के खुर्जा स्थित आरजेएस फिटनेस जिम जैसा ही होता है। बुर्ज उस्मान पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर शनिवार रात जो हुआ, उसने पुलिसिया इकबाल की धज्जियां उड़ा दीं। जहां युवाओं को सेहत बनाने के लिए आना था, वहां शराब के दौर चले और फिर ताबड़तोड़ फायरिंग में तीन जिंदगियां खत्म हो गईं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर पुलिस बार-बार हो रहे विवादों के बाद भी इस अड्डे पर मेहरबान क्यों थी? सुभाष मार्ग स्थित यह जिम पिछले सात महीनों से सुर्खियों में था। दिसंबर में जिम संचालक जीतू सैनी ने ककराला के पास फायरिंग की थी। जीतू इस वक्त जेल में है।

फरवरी में नेहरूपुर चुंगी पर जिम के लड़कों ने मारपीट की। बावजूद इसके पुलिस ने जिम की गतिविधियों पर नजर रखने की जहमत नहीं उठाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां देर रात तक नशे का खेल चलता था, लेकिन पुलिस की पीआरवी महज खानापूर्ति के लिए गश्त करती रही।

वारदात के बाद जब पुलिस ने जिम के भीतर कदम रखा, तो वहां का नजारा चौंकाने वाला था। चारों तरफ शराब की बोतलें, बीयर की केन और सिगरेट के अधजले पैकेट बिखरे पड़े थे। साफ है कि हत्यारे बेखौफ होकर पहले नशा करते रहे और फिर खूनी खेल खेला। 800 मीटर दूर बैठी पुलिस को न चीखें सुनाई दीं और न गोलियों की तड़तड़ाहट।

अब सवाल यह है कि इस लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ अधिकारी कोई एक्शन लेंगे या चुप्पी साध ली जाएगी। हालांकि, डीआईजी कलानिधि नैथानी ने शनिवार देर रात मौके पर पहुंच कर यह कहते हुए संकेत जरूर दिए कि लापरवाही मिलने पर संबंधित को बख्शा नहीं जाएगा।

'मुझे इंसाफ चाहिए, साजिश के तहत हत्या की गई'

तीनों के शव दोपहर में घर पहुंचने पर परिजन बिलख उठे। बच्चे से बुजुर्ग तक सभी की आंखें नम थीं। रविवार शाम को तीनों का एक साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। अमरदीप की पत्नी सिमरन का रो-रोकर बुरा हाल था। उन्होंने कहा कि मुझे इंसाफ चाहिए। साजिश के तहत हत्या की गई हैं। पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही।

चेहरे पर केक लगाने को लेकर विवाद, तीन की हत्या

बुलंदशहर के खुर्जा में जन्मदिन की पार्टी में चेहरे पर केक लगाने का विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया और पूर्व भाजपा सभासद के दो भाइयों अमरदीप व मनीष और भतीजे आकाश की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुलंदशहर के खुर्जा में जिम के अंदर सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों जिम संचालक रूपेश सैनी, मयंक सैनी व नरेश सैनी को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। पूर्व भाजपा सभासद संजय सैनी ने बताया कि उनके चाचा सरूप सैनी का बेटा अमरदीप (35) सुभाष मार्ग स्थित आरजेएस फिटनेस जिम में जाता था। वहां उसकी दोस्ती जीतू सैनी से हो गई थी। जीतू का रविवार को जन्मदिन था, पर जिम में दोस्तों ने शनिवार रात को ही पार्टी रखी थी। इसमें 35-40 युवक मौजूद थे।

करीब 11:30 बजे जीतू ने केक काटा। मस्ती-मजाक के दौरान केट कटने के बाद अमरदीप ने जीतू के चेहरे पर केक लगा दिया। इस पर जीतू और उसका दोस्त मयंक सैनी भड़क उठे। अमरदीप से बहस करने लगे। विवाद बढ़ा तो अमरदीप ने ताऊ के बेटे मनीष (32) व भतीजे आकाश (20) को फोन कर बुला लिया।

इन दोनों का भी उनसे विवाद हुआ। मनीष ने झगड़े की सूचना बड़े भाई संजय सैनी को दी, तो उन्होंने वहां से निकलने के लिए कहा। संजय ने पुलिस को बताया कि कुछ देर बाद मयंक, उसका भाई रिंकू, जीतू, उसका भाई रवि सैनी, नरेश, भारत, मनीष, रुपेश, अनुज और सौरभ हथियारों के साथ जिम पहुंचे।

आरोप है कि इस दौरान जीतू व अन्य युवकों ने मनीष, अमरदीप व आकाश को पकड़ लिया और लाइसेंसी पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। आकाश की पीठ पर गोली लगी। संजय घटनास्थल पर पहुंचे तो तीनों लहूलुहान पड़े थे और आरोपी फरार हो चुके थे। संजय की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कैलाश अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों को मृत घोषित कर दिया।

बहन बोली- हमें खून के बदले चाहिए खून

वहीं, बहन राधा ने कहा कि आरोपियों के घर और फैक्टरियों पर बुलडोजर चलना चाहिए। मनीष की बहन रजनी ने कहा कि भाई को दावत के बहाने बुलाया गया और फिर उन्हें मार दिया गया। हमें न्याय मिलना चाहिए। हमें खून के बदले खून चाहिए।

पुलिस की आठ टीम

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने देर रात घटनास्थल का जायजा लिया और पीड़ित परिजनों से बातचीत की। डीआईजी ने एसपी देहात अंतरिक्ष जैन के नेतृत्व में पुलिस की आठ टीम गठित की हैं। इसमें एक टीम एसपी देहात और पांच टीमों की जिम्मेदारी खुर्जा, सिकंदराबाद, अनूपशहर, शिकारपुर और बुलंदशहर सीओ को दी गई है। एडीजी भानु भास्कर ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की।

जल्द खुलेगा राज

जीतू व अन्य पर तीन युवकों की जिम के अंदर गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। तीन आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। कुछ अन्य को भी हिरासत में लिया गया है। जल्द ही पूरे मामले का राजफाश किया जाएगा। मामले पर आठ टीमें काम कर रही हैं।

भानु भास्कर, एडीजी मेरठ जोन

बाप को बचाने के लिए चिल्लाती रही, ताऊ का न पसीजा दिल, पीटते रहे हमलावर, फिर खुद ही हमलावरों से भिड़ी बेटी

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। यूपी के बागपत जिले के बड़ौत के हिलवाड़ी गांव में रविवार को खेती की 15 बीघा जमीन के बंटवारे और 150 गज के प्लॉट के विवाद में राजेंद्र ने अपने बेटों व अन्य के साथ मिलकर छोटे भाई देवेंद्र (60) की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने राजेंद्र समेत छह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने हत्यारोपी राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है।

हिलवाड़ी गांव निवासी रचना तोमर ने बताया कि रविवार सुबह करीब 11 बजे अपने पिता देवेंद्र के साथ खेत में काम कर रही थी। इस बीच उसका ताऊ राजेंद्र, अपने बेटों मोहित, रोहित, रोहित की पत्नी वर्षा, मोहल्ले के संजय और मुकेश के साथ लाठी-डंडे, तमंचा, फावड़ा लेकर वहां आ गए।

खेत में आते ही ताऊ राजेंद्र ने जमीन के बंटवारे और प्लॉट के विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडों से पिटाई कर उसके पिता देवेंद्र को गंभीर रूप से घायल कर दिया और तमंचे से फायरिंग भी की।

रचना ने बताया कि वह पिता को बचाने लगी तो उसके साथ भी मारपीट की गई। शोर मचाने पर वहां आए उसके भाई अंकुश ने पिता देवेंद्र को हमलावरों से छुड़ाया। घायल का सीएचसी में उपचार कराया गया, जहां से जिला अस्पताल और वहां से मेरठ मेडिकल रेफर कर दिया। मेरठ मेडिकल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

पिता को बचाने के लिए हमलावरों से भिड़ी बेटी

बेटी पिता को बचाने के लिए चिल्लाती रही है, लेकिन ताऊ का दिल नहीं पसीजा। हमलावर पिता को लाठी-डंडों से पीटते रहे। पिता को बचाने के लिए रचना ने साहस जुटाया, लेकिन उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। शोर मचाने पर भाई और अन्य लोग आए तो उन्हें बचाया, मगर देवेंद्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। रचना ने बताया कि पिता देवेंद्र का ताऊ राजेंद्र के साथ 15 बीघा जमीन के बंटवारे और 150 गज के प्लॉट को लेकर कई साल से विवाद चल रहा है। इसे निपटाने के लिए गांव के लोगों ने कई बार प्रयास किए और पंचायतें भी हुईं, लेकिन ताऊ ने समझौता करने से मना कर दिया। इसको लेकर पहले झगड़े भी हुए, लेकिन उसके पिता की हत्या कर दी जाएगी, इसका कभी आभास नहीं था। देवेंद्र के एक भाई वीरेंद्र यूपी पुलिस में इंस्पेक्टर और दूसरे सुरेंद्र सब इंस्पेक्टर पद से सेवानिवृत्त हैं।

जमीन के विवाद में अपने पहले भी बने दुश्मन, कर चुके हत्या

बागपत जिले में जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ रहे हैं। इन विवाद में खून भी खूब बहाया जा रहा है। जमीन के बंटवारे को लेकर जिले में कई हत्याएं हो चुकी हैं। एक माह पहले हसनपुर मसूरी गांव में छोटे भाई की विधवा पत्नी की हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा भी कई ऐसे मामले हैं, जिनमें अपने ही जान के दुश्मन बन गए।

केस एक

जुलाई 2025 में पुसार गांव में नशेड़ी पोते सूरज ने बुजुर्ग दादी फूलो देवी की हत्या कर दी। पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि वह घर का सामान लेना चाहता था और दादी उसका विरोध करती थी। इसके चलते हत्या कर दी।

केस दो

हसनपुर मसूरी गांव में 26 मार्च को अंकिता उर्फ गुंजन की उसके जेठ परविंदर ने जमीन के विवाद में गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह भाई के हिस्से की जमीन भी कब्जाना चाहता था, क्योंकि उसका कोई बेटा नहीं था। पुलिस ने हत्यारोपी परविंदर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

केस तीन

मार्च 2025 में रमाला गांव में एक प्लॉट के विवाद में साजिद (35) की हत्या उसके बड़े भाई कासिम ने अपने दोस्तों को पांच लाख रुपये सुपारी देकर कराई थी। हत्या कर साजिद का शव दोस्त के खेत में दबवा दिया। साजिद की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी भाई कासिम, हिस्ट्रीशीटर समेत तीन को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया।

केस चार

29 अक्तूबर 2023 को किरठल गांव में मुमताज की हत्या उसके बेटे, पोते ने जमीन के विवाद में ही की थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया था। ये तो मात्र चार उदाहरण हैं।

आरोपियों के घरों पर लटका ताला

देवेंद्र और उसके भाई राजेंद्र के घर भी आसपास ही हैं। रविवार को देवेंद्र की हत्या के बाद पुलिस ने राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके बेटों समेत अन्य आरोपी भाग गए। इसके चलते राजेंद्र, दूसरे हत्यारोपियों के घरों पर ताले लटक गए। घटना को लेकर हिलवाड़ी गांव में पुलिस तैनात कर दी गई है।

गौ सम्मान आह्वान अभियान : गुरुकुल वेद वेदांग विद्यापीठ के ब्रह्मचारियों ने भरी हुंकार, पांचों तहसीलों में सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद में गौ संरक्षण एवं सम्मान को लेकर वेद वेदांग विद्यापीठ के ब्रह्मचारियों द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया। "गौ सम्मान आह्वान अभियान" के तहत ब्रह्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की और जनपद की पांचों तहसीलों में पहुंचकर संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

कार्यक्रम का नेतृत्व आशुतोष जायसवाल ने किया। उन्होंने कहा कि गौवंश भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है, जिसकी रक्षा और संवर्धन करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इस अभियान के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ प्रशासन का ध्यान इस गंभीर विषय की ओर आकर्षित किया गया है। इस मौके पर विनय त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान समय में गौवंश की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि गौशालाओं की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, सड़कों पर विचरण कर रहे गौवंश के लिए स्थायी आश्रय की व्यवस्था हो तथा उनके संरक्षण के लिए प्रभावी नीतियों को लागू किया जाए। वहीं डॉ. सौरभ ने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। ज्ञापन के दौरान अश्रुत पांडेय आचार्य जी विनीत आर्य, सौरभ मिश्र विराट, दिव्या दुबे, बृजेश दूबे, बृजेंद्र मिश्र,शिवम दुबे जाली, अवधेश तिवारी, हृदय नारायण शुक्ला, जय किशन पांडे, ज्ञापन में सैकड़ों कि संख्या में लोग उपस्थित रहे।

उन्नाव सड़क हादसा : मार्ग दुर्घटना में घायल वार्ड बॉय सहित तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर शनिवार शाम दो बाइकों की भिड़ंत में दंपती सहित चार लोग गंभीर घायल हो गए थे। घायलों में सीएचसी में तैनात वार्ड ब्वाय सहित तीन की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक वार्ड ब्वॉय की पत्नी का लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव पीखी निवासी रहीसउद्दीन (47) सीएचसी रूरी सादिकपुर में वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत थे।

रविवार को वह अपनी पत्नी सादिया (45) के साथ बाइक से पीखी गांव में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे। शाम को वापस सीएचसी जा रहे थे। लखनऊ - बांगरमऊ मार्ग पर स्थित थाना आसीवन-फतेहपुर चौरासी बॉर्डर शारदा नहर चौधरीखेड़ा पुल के पास

दूसरी बाइक से टक्कर हो गई थी। पटना में दंपती के साथ दूसरी बाइक सवार हरदोई के बालामऊ निवासी शिवमोहन (30) पुत्र विजयप्रकाश द्विवेदी साथ रहा फुफेरे भाई सदर कोतवाली क्षेत्र के बसोखा गांव निवासी शोभित शुक्ला (20) पुत्र स्व कौशल घायल हो गए थे।

घायलों में रहीसउद्दीन उनकी पत्नी सादिया को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया गया था वहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देख लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया है। वहीं शिवमोहन द्विवेदी व शोभित को सफीपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया था। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। रविवार रात लखनऊ ट्रामा सेंटर में वार्ड ब्वाय रहीसुद्दीन की इलाज के दौरान मौत हो गई।

तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया

जिला अस्पताल में शोभित शुक्ला व शिवमोहन ने भी दम तोड़ दिया। पीखी निवासी रहीसुद्दीन के दो पुत्र व तीन पुत्रियां सभी अविवाहित हैं। मृतक शोभित की मां गुड्डी शुक्ला ने बताया कि शोभित का मूल निवास थाना बेहटामुजाबर के गौरियाकला में है। वह ननिहाल में रहकर मगरवारा स्थित नेहरूबाग कंपनी में काम करता था। रविवार को छुट्टी होने के से अपने फुफेरे भाई शिवमोहन के साथ गौरियाकला गया था। शोभित और शिवमोहन अविवाहित थे। ऐसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, तीन की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले के मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने इलाके को दहला दिया। जौनपुर रायबरेली हाईवे पर औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया के आगे पुलिया के पास सुबह करीब 6 बजे सवारियों से भरा एक ऑटो रिक्शा तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ऑटो मुंगरा बादशाहपुर सवारियां लेकर आ रहा था। जैसे ही वह सतहरिया पुलिया के पास पहुंचा, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना । मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ राहत कार्य शुरू किया। किसी तरह ऑटो में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया भेजा गया।चिकित्सकों ने छह घायलों में से तीन को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार मिश्र 53 वर्ष निवासी सोहसा, थाना मुंगरा बादशाहपुर, शिव शंकर शर्मा 53 वर्ष निवासी धौरहरा, थाना मुंगरा बादशाहपुर और बरसाती 42 वर्ष निवासी गंगापुर, थाना मछलीशहर के रूप में हुई है। राकेश बिंद 32 वर्ष निवासी नंदापुर, मछलीशहर , प्रणव पाण्डेय 19 वर्ष निवासी धौरहरा मुंगरा बादशाहपुर और अजीत यादव 36 वर्ष निवासी कटाहित खास, मछलीशहर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने प्रणव पाण्डेय और अजीत यादव की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया, जबकि घायलों के परिजन अस्पताल में डटे हुए हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है और घायलों का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी ट्रक चालक को पकड़ लिया जाएगा। यह दर्दनाक हादसा पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिय।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर की वर्दी वाली बदजुबानी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। रोज-रोज की गाली-गलौज से तंग आकर चक्क और होमगार्ड के जवानों का सब्र टूट गया और उन्होंने सीधे पुलिस कप्तान के आवास का घेराव कर दिया। सवाल सीधा है जब कानून के रखवाले ही भाषा की मर्यादा भूल जाएं तो बाकी सिस्टम से क्या उम्मीद की जाए।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाइए कि सूचना मिलते ही ब्ब सिटी को मौके पर दौड़ना पड़ा। उन्होंने पहुंचकर किसी तरह हालात को संभाला। जवानों का प्रार्थना पत्र लिया और कार्रवाई का भरोसा दिया।वही पुराना आश्वासन वाला फार्मूला जिससे अक्सर फाइलें तो चलती हैं, लेकिन नतीजे नहीं। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या ये मामला भी सिर्फ कागजों में दब जाएगा, या वाकई उस इंस्पेक्टर पर कार्रवाई होगी जिसकी जुबान ने वर्दी की इज्जत को दांव पर लगा दिया। जवान शांत तो हो गए लेकिन सिस्टम की खामोशी कब टूटेगी यही असली खबर है।

राजनीति से रिश्ते तक, पूनम पंडित–दीपक गिरी 29 अप्रैल को लेंगे सात फेरे, बुलंदशहर में होगी शादी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश की राजनीति और सोशल मीडिया पर अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए चर्चित कांग्रेस नेत्री पूनम पंडित जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। पूनम पंडित और समाजवादी पार्टी के नेता दीपक गिरी की शादी की तारीख तय हो गई है। दोनों 29 अप्रैल को बुलंदशहर में सात फेरे लेंगे, जबकि 5 मई को मेरठ में रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार शादी समारोह 29 अप्रैल को बुलंदशहर में आयोजित होगा। इसके बाद 5 मई को मेरठ में भव्य रिसेप्शन रखा जाएगा, जिसमें राजनीति और समाज से जुड़े कई लोग शामिल हो सकते हैं। दीपक गिरी मेरठ के मवाना क्षेत्र के निवासी हैं और समाजवादी पार्टी के सक्रिय नेता माने जाते हैं। दोनों परिवारों की ओर से शादी की तैयारियां तेज कर दी गई हैं और निमंत्रण पत्र भी बांटे जा

चुके हैं।

सगाई के बाद विवादों में रहा था रिश्ता

पूनम पंडित और दीपक गिरी की सगाई पिछले साल अक्टूबर में हुई थी। हालांकि सगाई के बाद यह रिश्ता विवादों में भी आ गया था। एक अन्य महिला ने दीपक गिरी पर गंभीर आरोप लगाते हुए मामले को कानूनी रूप दे दिया था और पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा रही।

अब खत्म हुईं अटकलें, शुरू हुईं तैयारियां

दीपक गिरी का कहना है कि अब तमाम विवादों और अटकलों पर विराम लग चुका है। शादी के कार्ड बांटे जा चुके हैं और तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।राजनीतिक और सोशल मीडिया जगत में सक्रिय रहने वाली पूनम पंडित की शादी को लेकर समर्थकों और परिचितों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इन बच्चों को एचएमपीवी वायरस का ज्यादा खतरा, एक्सपर्ट से जानें कैसे करें देखभाल

एचएमपीवी यानी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस...यह वायरस छोटे बच्चों को संक्रमित कर रहा है। भारत में भी इसके दो मामलों की पुष्टि हो चुकी है। फिलहाल अभी कोई खतरा नहीं है, लेकिन भविष्य में इसके जोखिम को कम करने के लिए सही देखभाल करना जरूरी है।

कोविड की वजह से दुनियाभर में तबाही देखने को मिली थी और अब कुछ दिनों से चीन में एक नए वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) ने दस्तक दी है। यह वायरस बच्चों को अपनी चपेट में ले रहा है और भारत में भी इसके दो मामले देखने में आए हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) ने इसकी पुष्टि कर दी है। सरकार भी इसको लेकर अलर्ट पर है, क्योंकि यह वायरस भी खांसने, छींकने से फैलता है। बच्चों में ये वायरस फैलने की वजह से चिंता और भी ज्यादा बढ़ गई है। जो बच्चे कमजोर इम्यूनिटी वाले हैं, उनके इस वायरस की चपेट में आने की संभावना ज्यादा है। ऐसे में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

एचएमपीवी वायरस के लक्षण भी कोविड की तरह दिखाई दे रहे हैं। अगर इस वायरस से कोई बच्चा या शिशु संक्रमित होता है तो सबसे पहला लक्षण खांसी आना दिखाई देता है। खांसी में कफ हो सकता है साथ ही बुखार भी आने लगता है। इस स्थिति में तुरंत ध्यान देने की जरूरत होती है, नहीं तो स्थिति गंभीर हो सकती है। क्योंकि ये वायरस सांस की नली में जाकर लंग्स को इफेक्ट करता है और इससे सीने में दर्द के साथ ही सांस लेने में समस्या होने लगती है। जान लेते हैं कि लक्षण दिखाई देने पर कैसे बच्चों की देखभाल करनी चाहिए।

HMPV वायरस को लेकर क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली के इंटरनल मेडिसिन और डायबिटोलॉजिस्ट डॉ। अनिल गोम्बर का कहना है कि भारत में भी यह वायरस नहीं फैला है, लेकिन आगे आने वाले समय में इसके जोखिम को देखते हुए सतर्क रहने की जरूरत है। छोटे बच्चों के अलावा बुजुर्गों में भी यह वायरस संक्रमण फैला सकता है, क्योंकि उनकी इम्यूनिटी वीक होती है। इसके लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना है।

एचएमपीवी से बचने के लिए ये बरतें सावधानी

यह वायरस खांसने और छींकने के दौरान दूसरे को संक्रमित कर सकता है, इसलिए अगर किसी में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो बच्चे या फिर कमजोर इम्यूनिटी वाले इंसान को उससे दूर रखें। इसके अलावा बाहर निकलते वक्त मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चों को खाना खिलाने से पहले खुद के और उनके हाथ अच्छे से साफ करवाए। कोई भी काम करने से पहले हाथ धोना न भूलें। बच्चों को ज्यादा भीड़ भाड़ वाली जगहों पर ले जाने से बचें। बुखार और खांसी के साथ ही अगर सीने में दर्द और सांस लेने में समस्या हो रही हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) क्या है?

कोविड- 19 के बाद चीन में तेजी से फैलने वाला ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस न्यूमोविरिडे परिवार से है, जो कि श्वसन सिंकिटियल वायरस के परिवार से संबंधित है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन के कुछ इलाकों में इस वायरस से ग्रसित मरीजों की वजह से अस्पताल भरे पड़े हैं. हालांकि, चीनी अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अभी तक आपातकालीन स्थिति की घोषणा नहीं किया है. इस वायरस की खोज साल 2001 में हुई थी. सांस से संबंधित यह वायरस ऊपरी और निचले श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है.

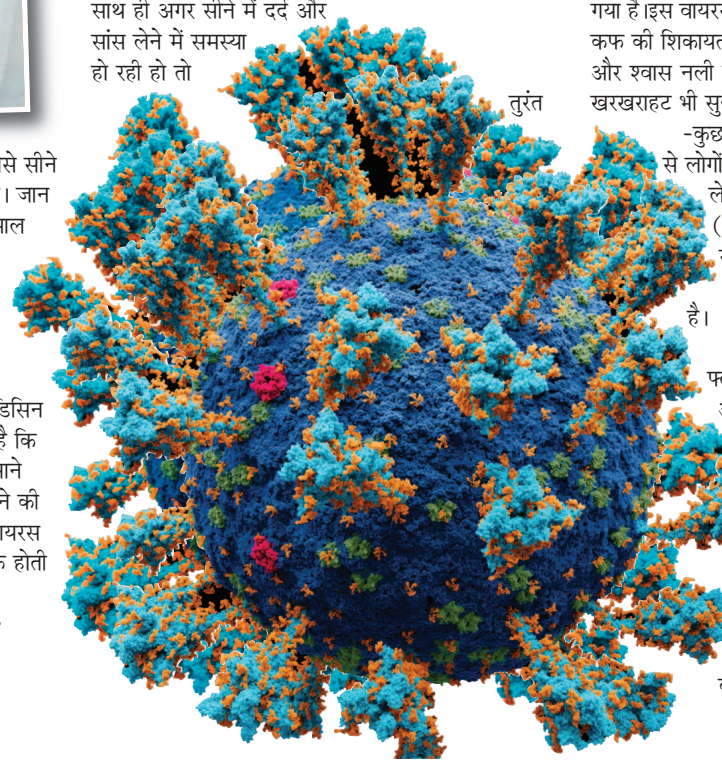

एचएमपीवी का किस पर कितना असर?

-मुख्य तौर पर बच्चों पर असर डालता है। हालांकि, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों और बुजुर्गों पर भी इसका प्रभाव दर्ज किया गया है।इस वायरस की वजह से लोगों को सर्दी, खांसी, बुखार, कफ की शिकायत हो सकती है। ज्यादा गंभीर मामलों में गला और श्वास नली के जाम होने से लोगों के मुंह से सीटी जैसी खरखराहट भी सुनी जा सकती है।

-कुछ और गंभीर स्थिति में इस वायरस की वजह से लोगों को ब्रोंकियोलाइटिस (फेफड़ों में ऑक्सीजन ले जाने वाली नली में सूजन) और निमोनिया (फेफड़ों में पानी भरना) की स्थिति पैदा कर सकता है। इसके चलते संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ सकती है।

- कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण आम फ्लू से मिलते-जुलते हैं, इसलिए इन दोनों में अंतर बता पाना मुश्किल है। हालांकि, जहां कोरोना वायरस की महामारी हर सीजन में फैली थी। वहीं, एचएमपीवी अब तक मुख्यतः मौसमी संक्रमण ही माना जा रहा है। हालांकि, कई जगहों पर इसकी मौजूदगी पूरे साल भी दर्ज की गई है।

क्या हो सकता है खतरा

कोरोना के इतर इस वायरस के कारण ऊपरी और निचले दोनों श्वसन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है।

सामान्य मामलों में इस वायरस का असर तीन से पांच दिन तक रहता है।

तीन से पांच दिन तक रहता है इसका असर

इस वायरस के कारण ऊपरी और निचले दोनों श्वसन पथ में संक्रमण का खतरा हो सकता है। सामान्य मामलों में इस वायरस का असर तीन से पांच दिन तक रहता है।

इस तरह से बूस्ट करें इम्यूनिटी

एक्सपर्ट कहते हैं कि इम्यूनिटी मजबूत रहे इसके लिए भरपूर नींद लेना जरूरी है।
रात में कम से कम 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें।
बच्चा अगर कुछ बड़ा है तो उसे हल्की फिजिकल एक्टिविटी भी करवा सकते हैं।
बड़ों को भी रोजाना कुछ देर एक्सरसाइज और योगा जरूर करनी चाहिए।
अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करें जो प्रोटीन, फाइबर और विटामिन सी से भरपूर हो।
सर्दी का मौसम है, इसको भी ध्यान में रखते हुए मौसम फल जैसे अमरूद, संतरा, आंवला, खजूर खाएं।
बाजरा, मक्का, ज्वार, रागी को डाइट में शामिल करें।
हरी पत्तेदार सब्जियां सरसों का साग, बथुआ, पालक, मेथी को डाइट में जगह दें।
लक्षणों से राहत पाने के लिए भाप लेना सही रहता है।

इस आयु वर्ग में के लिए खतरनाक है HMPV वायरस

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस यानी एचएमपीवी वायरस सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित करता है. लेकिन इस वायरस की चपेट में कुछ आयु के लोग जल्दी आ जाते हैं.
एचएमपीवी वायरस की चपेट में पांच साल की उम्र से कम आयु वाले बच्चे जल्दी आते हैं.
इस वायरस की गिरफ्त में 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग जल्दी आते हैं.
इसके अलावा, जिस व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी सिस्टम) ठीक नहीं रहती है.

क्या आपकी भी फेवरेट लिपस्टिक टूट गई है? इन तरीके से करें ठीक

लिपस्टिक महिलाओं के फेवरेट मेकअप प्रोडक्ट्स में से एक है। सिर्फ लिपस्टिक का एक कोट आपके पूरे चेहरे को खिला देता है। कोई खास मौका हो या रोज की लाइफस्टाइल, लिपस्टिक हमेशा हमारे लुक को निखारने में अहम भूमिका निभाती है। मार्केट में कई शेड्स और कई ब्रांड्स की लिपस्टिक बिक रही हैं। कुछ तो काफी महंगी भी होती हैं। हर किसी के पास कोई एक ऐसी लिपस्टिक जरूर होती है जो उनकी फेवरेट होती है, लेकिन जब हमारी फेवरेट लिपस्टिक गलती से टूट जाती है तो दिल टूट सा जाता है। इसे फिर से ठीक करने का सोचते हुए दिमाग में सबसे पहला सवाल यही आता है क्या ये लिपस्टिक अब दोबारा पहले जैसी हो पाएगी?

आपको ये जानकर खुशी होगी कि लिपस्टिक टूटने के बाद भी उसे फिर से अच्छे से इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, थोड़ी सी मेहनत और सही तकनीकों के साथ आप अपनी टूट चुकी लिपस्टिक को पूरी तरह से ठीक कर सकते हैं और फिर से उसे इस्तेमाल कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि अगर आपकी फेवरेट लिपस्टिक टूट जाए, तो आप उसे कैसे ठीक कर सकती हैं।

इन तरीकों से ठीक करें टूटी हुए लिपस्टिक

1। हीटिंग प्रोसेस

हीटिंग प्रोसेस टूटी हुई लिपस्टिक को फिर से जोड़ने का सबसे आसान और सबसे इफेक्टिव तरीका है। इसमें आपको अपने टूटी हुई लिपस्टिक के दोनों हिस्सों को जोड़ने के लिए हीटिंग का इस्तेमाल करना है। सबसे पहले टूटी हुई लिपस्टिक के दोनों टुकड़ों को एक साथ रखें। एक हल्की आंच जैसे कि हॉयर ब्लोअर या एक चम्मच को हल्का गर्म करें और लिपस्टिक के दोनों टुकड़ों के सिरे पर हीट लगाएं। थोड़ी देर तक गर्म रखने के बाद दोनों हिस्सों को धीरे से जोड़ें और कुछ सेकंड तक उन्हें वैसे ही छोड़े रखें। ठंडी होने पर लिपस्टिक पहले जैसी हो जाएगी और आप इसे फिर से यूज कर पाएंगी।

2। आल्मंड ऑयल और वैसलीन का इस्तेमाल

अगर लिपस्टिक का टुकड़ा बहुत ज्यादा टूट चुका हो और हीटिंग प्रोसेस से ठीक नहीं हो पा रहा हो, तो आप आल्मंड ऑयल या वेसलीन का यूज कर सकती हैं। यह तरीका थोड़ा समय लेने वाला हो सकता है, लेकिन इसमें आपकी लिपस्टिक की पूरा स्ट्रेक्चर पहले जैसा हो सकता है। सबसे पहले टूटी हुई लिपस्टिक के टुकड़ों को एक साफ बाउल में रखें। फिर इसमें थोड़ा सा आल्मंड ऑयल या वेसलीन डालें। इन्हें अच्छे से मिक्स करें और फिर मिक्शचर को छोटे आकार में गूंथ लें। इसे अपने लिपस्टिक के पुराने केस में सेट कर लें और अच्छे से दबाकर सेट होने दें। एक बार सेट होने के बाद आपकी लिपस्टिक फिर से पहले जैसी हो जाएगी।

3। फ्रीजर में रखें

अगर आपकी लिपस्टिक का टूटना अचानक हुआ है और आप उसे जल्द से जल्द ठीक करना चाहती हैं, तो इसे फ्रीजर में रखें। ये तरीका भी काफी हेल्पफुल हो सकता है। आपको अपनी टूटी हुई लिपस्टिक के टुकड़ों को एक साथ जोड़ने के बाद, उसे फ्रीजर में 10-15 मिनट के लिए रखना है। फ्रिज में रखने के बाद लिपस्टिक हार्ड हो जाएगी और आप इसे फिर से इस्तेमाल कर सकेंगी।

4। नए लिपस्टिक केस में ट्रांसफर करें

कभी-कभी लिपस्टिक का टूटना इतना ज्यादा होता है कि उसे ठीक करने की बजाय उसे एक नए ट्यूब में ट्रांसफर करना बेहतर होता है। इसके लिए आपको अपनी टूटी हुई लिपस्टिक के टुकड़ों को साफ करके उसे मेल्ट कर लेना है। इसके बाद उसे नए लिपस्टिक केस में ट्रांसफर करना है। इस तरह से आप अपनी बुलेट लिपस्टिक ब्रश की मदद से दोबारा यूज कर सकेंगी।

क्या होता है रेटिनॉल? ये स्किन पर कैसे करता है काम

रेटिनॉल एक ऐसा मल्टीटास्टिंग स्किन केयर प्रोडक्ट है जो न सिर्फ एजिंग के लक्षणों को कम करता है, बल्कि ये कई और स्किन प्रॉब्लम से भी बचाने में हेल्पफुल है। फिलहाल इसे स्किन पर अप्लाई करने से पहले आपको कुछ गाइडलाइन को फॉलो करना जरूरी होता है तो चलिए जान लेते हैं कि क्या होता है रोटिनॉल और इसे कैसे यूज करना चाहिए।

रेटिनॉल ये शब्द शायद आपने भी कई बार सुना होगा या फिर इसे अप्लाई करते होंगे, लेकिन आखिर रेटिनॉल क्या होता है जो आपकी त्वचा के एजिंग साइन को कम करता है। इससे जुड़े कई और सवाल भी होते हैं जैसे रेटिनॉल कितनी उम्र वालों को लगाना चाहिए, किस तरह से लगाना चाहिए और रेटिनॉल लगाने के लिए सही टाइम क्या होता है। ये एक ऐसा प्रोडक्ट है जो स्किन की एक नहीं बल्कि कई प्रॉब्लम से निजात दिला सकता है यानी रेटिनॉल मल्टीटास्किंग स्किन केयर प्रोडक्ट है। हालांकि इसे अपनी त्वचा पर अप्लाई करने से पहले इसके बारे में पूरी जानकारी होना जरूरी होता है, क्योंकि सही से अप्लाई न किया जाए तो इसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं।

रेटिनॉल बढ़ती उम्र में त्वचा की फाइन लाइन, झुर्रियों और डलनेस को कम करने के लिए लगाया जाता है। इसके अलावा ये मुंहासों, एक्ने, पिग्मेंटेशन आदि को कम करने में भी हेल्पफुल रहता है। यूवी किरणों से त्वचा को पहुंचने वाली क्षति को कम करने, रेडनेस, सूजन, ब्रेकआउट्स से बचाने का काम भी करता है। इससे डेड स्किन सेल्स डेवलप नहीं होते हैं और पोर्स भी क्लियर रहते हैं। इससे त्वचा में कसाव और चमक बनी रहती है क्योंकि रेटिनॉल त्वचा को हाइड्रेट भी रखता है। तो चलिए जान लेते हैं रेटिनॉल के बारे में डिटेल में कुछ बातें।

क्या होता है रेटिनॉल?

रेटिनॉल सीधे तौर पर रेटिनोइड यानी विटामिन ए का एक रूप होता है। हालांकि यह सीधे तौर पर पावरफुल रेटिनोएड्स के उलट सिर्फ 2 प्रतिशत के फॉर्मूले पर तैयार किया जाता है। रेटिनॉल मार्केट में क्रीम, लोशन के अलावा सीरम के रूप में भी उपलब्ध रहता है। फिलहाल सबसे ज्यादा यूज रेटिनॉल का सीरम की तरह ही किया जाता है।

क्या हर कोई रेटिनॉल लगा सकता है?

रेटिनॉल का इस्तेमाल करना है और आपके मन में भी यह सवाल है कि क्या हर कोई रेटिनॉल लगा सकता है, तो जान लें कि क्या सावधानियां बरतनी चाहिए।

प्रेग्नेंसी या ब्रेस्टफीडिंग मदर

अगर आप प्रेग्नेंसी फेज में हैं तो रेटिनॉल को अवॉइड करना चाहिए। इसके अलावा ब्रेस्टफीडिंग मदर्स को भी रेटिनॉल का यूज करने स बचना चाहिए।

इन प्रॉब्लम वाले लें एक्सपर्ट से सलाह

अगर आपके चेहरे पर एक्जिमा है। बहुत ज्यादा मुंहासे या एक्ने हैं, स्किन सेंसेटिव है, ड्राई स्किन की प्रॉब्लम है, या फिर रोसैसिया (लंबी अवधि वाली त्वचा संबंधित समस्या, जिसमें लालिमा दाने, स्किन पर कोशिकाएं नजर आना) है तो रेटिनॉल के इस्तेमाल से पहले आपको त्वचा विशेषज्ञ से सलाह जरूरी लेनी चाहिए। रोसैसिया एक ऐसी स्किन प्रॉब्लम है जो साफ रंग वालों को ज्यादा परेशान करती है।

रेटिनॉल लगाते वक्त क्या उम्र का ध्यान रखना जरूरी है?

स्किन पर रेटिनॉल लगाने के लिए वैसे तो किन निर्धारित उम्र की समय सीमा तय नहीं है, लेकिन रेटिनॉल एक ऐसा प्रोडक्ट है जो एजिंग के लक्षणों को कम करने में सपोर्ट करता है। यही वजह है कि 30 की उम्र या इसके बाद रेटिनॉल का इस्तेमाल करना सही माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी त्वचा में बदलाव देख रहे हैं जैसे डल स्किन, त्वचा ढीली होना तो डर्मोटोलॉजिस्ट से मिलकर आप रेटिनॉल के लिए सजेशन ले सकते हैं।

स्किन केयर में कैसे एड करें रेटिनॉल?

अगर आप अपने स्किन केयर में रेटिनॉल को एड करना चाहते हैं तो कुछ गाइडलाइन को फॉलो करना जरूरी होता है।

रेटिनॉल को लगातार लगाने की प्लानिंग है तो शुरुआत में मटर के दाने बराबर रेटिनॉल लगाएं।

शुरुआती दिनों में रेटिनॉल रोजाना लगाने की बजाय हफ्ते में दो से तीन बार लगाना सही रहता है।

रेटिनॉल को रात में लगाना सही रहता है, क्योंकि दिन में सन सेंसिविटी की समस्या हो सकती है।

रेटिनॉल हफ्ते में दो से तीन बार लगाने पर रिजल्ट अच्छा दिखे तो 2 हफ्ते के बाद टाइमिंग बढ़ा सकते हैं। धीरे-धीरे रात को सोने से पहले रोजाना लगाना शुरू करें।

चेहरे को क्लीन करने के बाद कम से कम 30 मिनट इंतजार करें और फिर रेटिनॉल यूज करें।

रेटिनॉल लगाने से पहले और बाद में चेहरे को मॉश्चराइज करना बिल्कुल भी न भूलें।

रेटिनॉल यूज कर रहे हैं तो सुबह एसपीएफ 30 की सनस्क्रीन लगाना बिल्कुल भी न भूलें।

रेटिनॉल के रिस्क और साइड इफेक्ट

जब आप पहली बार रेटिनॉल यूज करना शुरू करते हैं तो हो सकता है कि आपको कुछ साइन दिखाई दें, जैसे त्वचा में ड्राईनेस होना, इचिंग महसूस होना और रेडनेस दिखाई देना।

अगर आप एक से ज्यादा ऐसे प्रोडक्ट यूज कर रहे हैं, जिसमें रेटिनोइड्स हैं तो ये लक्षण और भी ज्यादा हो सकते हैं। इसलिए बाकी प्रोडक्ट का चेहरे पर इस्तेमाल करते वक्त भी ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस तरह से कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर आप रेटिनॉल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूपीआई से मिनटों में निकलेगा पीएफ का पैसा, करोड़ों ईपीएफओ मेंबर्स के लिए कुछ नए जरूरी अपडेट्स

टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) जल्द ही अपने करोड़ों खाताधारकों के लिए बड़ी राहत देने जा रहा है। अब PF (Provident Fund) निकालने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नए सिस्टम के तहत कर्मचारी UPI के जरिए मिनटों में अपना पैसा निकाल सकेंगे। यह बदलाव ईपीएफओ के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म CITES 2.0 (ईपीएफओ 3.0) के जरिए लागू किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पहले से कहीं ज्यादा तेज, आसान और पारदर्शी होगी।

अब मिनटों में मिलेगा PF का पैसा

फिलहाल PF निकालने के लिए कर्मचारियों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। कई बार क्लेम रिजेक्ट भी हो जाते हैं, जिससे परेशानी और बढ़ जाती है। लेकिन नए सिस्टम के आने के बाद यह दिक्कत खत्म हो जाएगी। यूजर अपने UAN से लॉगिन करेंगे, OTP के जरिए वेरिफिकेशन करेंगे और अपनी UPI ID डालकर तुरंत पैसा अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर पाएंगे। इससे कागजी प्रक्रिया और देरी दोनों खत्म हो जाएंगी।

कितना पैसा निकाल पाएंगे?

नए नियमों के तहत कर्मचारी अपने PF खाते से अधिकतम 75% तक की राशि ही निकाल सकेंगे। कम से कम 25% रकम खाते में रखना जरूरी होगा। सरकार का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कर्मचारियों के पास रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त बचत बनी रहे और वे पूरी रकम एक साथ खर्च न कर दें।

कैसे काम करेगा नया सिस्टम?

नई सुविधा लागू होने के बाद प्रक्रिया बेहद सरल होगी। सबसे पहले यूजर ईपीएफओ पोर्टल या ऐप पर लॉगिन करेगा। वहां उसे अपने PF खाते का पूरा बैलेंस दिखाई देगा। इसके बाद वह निकासी की राशि दर्ज करेगा और अपनी UPI ID जोड़ेगा। OTP वेरिफिकेशन पूरा होते ही पैसा तुरंत बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाएगा। यानी अब PF निकालना उतना ही आसान होगा जितना UPI से पेमेंट करना।

सरकार का क्या है उद्देश्य?

सरकार इस डिजिटल बदलाव के जरिए दो बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहती है। पहला, कर्मचारियों को इमरजेंसी के समय तुरंत पैसा मिल सके। दूसरा, रिटायरमेंट के लिए उनकी बचत सुरक्षित बनी रहे। इसके अलावा ईपीएफओ सिस्टम को आधुनिक और बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

ईपीएफओ से जुड़े जरूरी अपडेट्स

ईपीएफओ में इस समय करीब 7.98 करोड़ सदस्य और 82 लाख से ज्यादा पेंशनर्स हैं। बड़ी संख्या में लोगों की KYC भी अपडेट हो चुकी है। अगर आपके UAN में नाम, जन्मतिथि, लिंग या माता-पिता से जुड़ी जानकारी गलत है, तो उसे ईपीएफओ पोर्टल पर जाकर आसानी से सुधारा जा सकता है। इसके लिए 'Manage' सेक्शन में जाकर 'Modify Basic Details' का विकल्प चुनना होगा और जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

शिकायत और सहायता के लिए सुविधा

अगर किसी कर्मचारी को ईपीएफओ से जुड़ी शिकायत है या भ्रष्टाचार का शक है, तो वह विजिलेंस डिवीजन में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकता है। इसके अलावा ईपीएफओ की प्रयास योजना के तहत विशेष शिविर और ऑनलाइन सुविधाएं भी दी जा रही हैं, जिससे लोगों की समस्याओं का जल्दी समाधान हो सके।

अब सस्ती फ्लाइट्स भी खोज कर देगा चेट जीपीटी

चेट

ट्रैवल सर्च प्लेटफॉर्म Skyscanner ने ChatGPT के अंदर अपना नया एप पेश किया है। इस फीचर के जरिए यूजर्स अब नैचुरल लैंग्वेज में बातचीत करते हुए फ्लाइट्स सर्च कर सकते हैं और उनके दामों की तुलना कर सकते हैं। यह सुविधा फिलहाल भारत में उपलब्ध हो चुकी है और यूजर्स को सीधे चैट इंटरफेस में ही फ्लाइट से जुड़ी जानकारी मिल जाती है।

यूजर्स चेट जीपीटी के एप स्टोर से Skyscanner एप इंस्टॉल कर सकते हैं। इसके बाद वे साधारण भाषा में कमांड देकर फ्लाइट सर्च कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, यूजर लिख सकता है- "@skyscanner मई में मुंबई के लिए सबसे सस्ती फ्लाइट दिखाओ।" इसके जवाब में सिस्टम तुरंत फ्लाइट ऑप्शंस, किराया और रूट की जानकारी चैट में ही दिखा देता है।

सबसे खास बात यह है कि ये रिजल्ट्स रियल-टाइम में अपडेट होते रहते हैं और यूजर्स बिना एप छोड़े ही अलग-अलग विकल्पों की तुलना कर सकते हैं।

आसान हुआ फ्लाइट सर्च का तरीका

इस नए फीचर का मकसद पारंपरिक फ्लाइट सर्च प्रक्रिया को आसान बनाना है। जहां पहले यूजर्स को कई फिल्टर और स्टेप्स से गुजरना पड़ता था, अब वही काम बातचीत के जरिए हो सकता है। यूजर्स अपनी जरूरत के अनुसार तारीख, डेस्टिनेशन या एयरपोर्ट बदलकर सर्च को और बेहतर बना सकते हैं। यानी बार-बार सर्च शुरू करने की जरूरत नहीं होगी।

क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी

इस इंटीग्रेशन के जरिए यूजर्स को कई फ्लाइट ऑप्शंस एक साथ दिखाई देंगे, जिनमें कीमत, एयरलाइन और यात्रा की अवधि जैसी जरूरी जानकारी शामिल होगी। Skyscanner ने बताया कि यह फीचर उनके मौजूदा प्राइसिंग और तुलना सिस्टम पर आधारित है, जिसे अब चैट-आधारित इंटरफेस के साथ जोड़ा गया है। कंपनी अपने एयरलाइन पार्टनर्स के डेटा का इस्तेमाल करके रिजल्ट्स दिखाती है।

जीपीटी पर ऐसे खोजें सबसे सस्ती फ्लाइट्स

सबसे पहले चेट जीपीटी को ओपन करके साइन-इन करें। इसके बाद एप सेक्शन में जाकर Skyscanner को इंस्टॉल करें।

फिर एक नया चैट शुरू करें और अपनी जरूरत के हिसाब से कमांड लिखें, जैसे- "दिल्ली से मुंबई के लिए मई में सबसे सस्ती फ्लाइट दिखाओ।" इसके बाद आपको तुरंत फ्लाइट ऑप्शंस दिखाई देने लगेंगे।

सोना–चांदी खरीदने का शानदार मौका! दामों में आई भारी गिरावट, फटाफट चेक करें भाव

सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई। दोनों कीमती धातुओं के दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गए।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की शुरुआत अपने पिछले सत्र के बंद 1,51,761 रुपए के मुकाबले 1,51,167 रुपए पर हुई। सुबह 9:40 पर सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.47 प्रतिशत या 718 रुपए की कमजोरी के साथ 1,51,043 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,51,039 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,51,457 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

वहीं, सत्र में चांदी की शुरुआत पिछले सत्र के बंद 2,41,513 रुपए के मुकाबले 2,39,200 रुपए पर हुई थी। चांदी का 5 मई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.35 प्रतिशत या 842 रुपए की गिरावट के साथ 2,40,671 रुपए पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,39,200 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,41,382 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में बिकवाली देखने को मिल रही है। खबर खिले जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,684 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74.81 डॉलर प्रति औंस पर थी।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी एनालिस्ट मानव मोदी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने, यील्ड के बढ़ने और मध्य पूर्व में तनाव को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि कच्चे तेल के दोबारा से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल जाने से महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है, जिसके चलते भी सोने और चांदी पर दबाव देखा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका के उम्मीद से बेहतर प्रारंभिक पीएमआई डेटा ने आर्थिक मजबूती को पुष्ट करते हुए और तत्काल ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम करते हुए सोने पर दबाव बढ़ाया।

24 घंटे में 3 देशों का दौरा, ईरान के विदेश मंत्री अराघची अचानक क्यों इतने एक्टिव हो गए?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पिछले 24 घंटे में तीन देशों के दौरे पर हैं। सबसे पहले अराघची रविवार को पाकिस्तान पहुंचे। वह तीन दिन में दूसरी बार इस्लामाबाद गए और वहां पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य बड़े अधिकारियों से भी बात की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने पाकिस्तान में एक रेड लाइन दस्तावेज सौंपा, जिसमें ईरान की साफ शर्तें बताई गईं। इसमें परमाणु मुद्दे और होर्मुज स्ट्रेट को लेकर को लेकर प्रस्ताव था। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने समस्या सुलझाने के लिए एक काम करने लायक प्लान दिया है। हालांकि ये सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका सच में बातचीत करना चाहता है।

इसके बाद अराघची ओमान गए। वहां उन्होंने सुल्तान हैथम बिन तारिक से मुलाकात की। इस बैठक में होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा और क्षेत्र के हालात पर बात हुई। अराघची ने कहा कि होर्मुज से जुड़े देशों को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह रास्ता सुरक्षित रहे, क्योंकि इससे पूरी दुनिया को फायदा होता है। 3 हफ्ते पहले आइ CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान-ओमान के साथ मिलकर होर्मुज में एक टोल बूथ बनाने वाला है। होर्मुज का एक छोर ओमान में है। ईरान को डर है कि अमेरिका, ओमान में बेस बना सकता है, इसलिए वह टोल का पैसा ओमान के साथ शेयर करना चाहता है। इसके बाद अराघची सोमवार को रूस पहुंचे हैं। यहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से होगी है। इस बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, पश्चिमी देशों के प्रतिबंध और होर्मुज संकट जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। अराघची की यह दौड़-भाग ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिका के साथ बातचीत में रुकावट आई हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले अपने प्रतिनिधियों स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर का पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया था, क्योंकि बातचीत आगे नहीं बढ़ रही थी। हालांकि बाद में पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने युद्धविराम को कुछ समय के लिए बढ़ाने की बात मानी।

होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बंद है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने साफ कहा है कि इस पर नियंत्रण रखना उनकी रणनीति का हिस्सा है। दूसरी तरफ अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी कर रखी है। दोनों देशों के बीच शांति वार्ता बंद है। अराघची के लगातार दौरे यह दिखाते हैं कि ईरान जल्दी समाधान चाहता है और अलग-अलग देशों से बात करके कोई रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है।

डिनर पार्टी में फायरिंग की असली वजह सामने आई, शूटर ने 10 मिनट पहले खुद परिवार को भेजा था लंबा मैसेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की वजह अब सामने आई है। कोल एलन ने हमले से करीब 10 मिनट पहले अपने परिवार को एक लंबा मैसेज भेजा था, जिसमें उसने अपने इरादे और कारण बताए। 31 साल के एलन ने करीब 1052 शब्दों का मैसेज लिखा लिखा। एलन शुरुआत में माफी मांगी और कहा कि उसने अपने परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और उन लोगों का भरोसा तोड़ा है, जो इस घटना से खतरे में आए। उसने कहा कि उसे माफी की उम्मीद नहीं है, लेकिन उसने जो किया, वह सोच-समझकर किया।

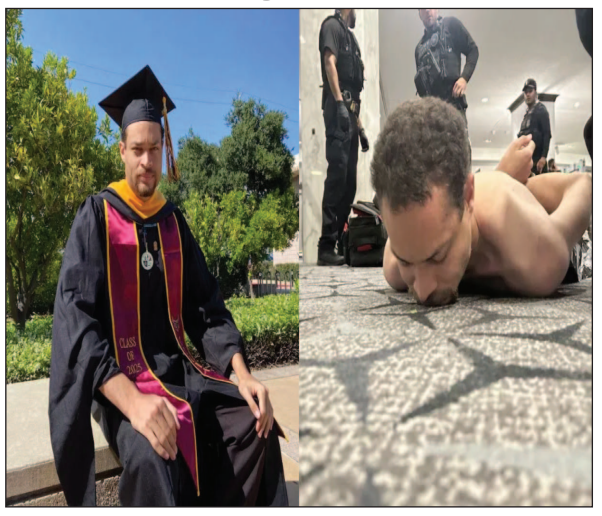

एलन ने लिखा कि वह अमेरिका का नागरिक है। मेरे प्रतिनिधि जो काम करता हैं, उसका असर मुझ पर भी पड़ता है। मैं अब किसी भी हालत में एक बाल यौन शोषण करने वाले, बलात्कारी और देशद्रोही को अपने ऊपर अपने अपराधों का दाग लगाने की इजाजत नहीं दूंगा। इसलिए मैंने हमला करने का फैसला लिया है। हालांकि एलन ने किसी का नाम नहीं लिया। एलन के मुताबिक, उसका निशाना सिर्फ सरकार के बड़े अधिकारी थे। एलन ने कहा कि FBI डायरेक्ट काश पटेल उसकी टारगेट लिस्ट में नहीं थे। एलन ने अपने हमले के नियम भी बताए। उसने कहा कि आम लोग, होटल कर्मचारी और मेहमान उसके निशाने पर नहीं थे। उसने यह भी लिखा कि वह सुरक्षा बलों को सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही निशाना बनाएगा और कोशिश करेगा कि उन्हें जानलेवा नुकसान न हो। लेकिन उसने यह भी माना कि अगर जरूरी हुआ, तो वह रास्ते में आने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा सकता है।

सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए

अपने मैसेज में उसने यह भी लिखा कि अगर वह किसी दूसरे देश का एजेंट होता, तो और ज्यादा खतरनाक हथियार अंदर ला सकता था। उसने इसे सुरक्षा में बड़ी लापरवाही बताया। एलन ने यह भी बताया कि उसने गोलियों की बजाय बकशॉट (छर्रे) का इस्तेमाल चुना, ताकि गोलियां दीवार पार करके ज्यादा लोगों को नुकसान न पहुंचाएं। उसने होटल की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए और कहा कि वह कई हथियार लेकर अंदर आया, लेकिन किसी ने उसे रोका नहीं।

आखिर में एलन ने अपने परिवार, दोस्तों और साथ काम करने वाले लोगों का धन्यवाद किया और कहा कि उसे इस कदम पर दुख है, लेकिन उसने इसे जरूरी समझा। उसने यह भी कहा कि ऐसा करना बहुत मुश्किल और डरावना होता है। इस घटना के बाद अमेरिका में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और जांच की मांग की जा रही है।

आतंकी हाफिज सईद के करीबी यूसुफ अफरीदी का खात्मा, कश्मीर में हमलों की प्लानिंग में रहता था अहम रोल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (KPK) में अज्ञात बंदूकधारियों ने लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के सबसे प्रभावशाली कमांडरों में से एक शेख यूसुफ अफरीदी की हत्या कर दी। अफरीदी न केवल एक आतंकी था, बल्कि वह वैचारिक और रणनीतिक स्तर पर संगठन की रीढ़ माना जाता था। शेख यूसुफ अफरीदी खैबर क्षेत्र के जखा खेल कबीले का रहने वाला था, जो पश्तूनों की प्रसिद्ध 'अफरीदी' शाखा से ताल्लुक रखता था। वो इस्लाम की सबसे कट्टर मानी जाने वाली अहले-हदीस (सलाफी) विचारधारा का अनुयायी और एक मौलाना था। उसकी कबायली पृष्ठभूमि और सलाफी विचारधारा के कारण वह लश्कर सुप्रीमो हाफिज मोहम्मद सईद का अत्यंत भरोसेमंद और संगठन के लिए एक 'आदर्श चेहरा' बन गया

था। अफरीदी लश्कर-ए-तैयबा में प्रांतीय स्तर का सबसे बड़ा अधिकारी था। वह खैबर पख्तूनख्वा में संगठन के ब्रांच हेड के रूप में कार्यरत था। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, उसके मुख्य कार्य निम्नलिखित थे-

भारत के खिलाफ हमलों की प्लानिंग में अफरीदी का हाथ बेहद अहम माना जाता था। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ सालों में हुए कई आतंकी हमलों के पीछे उसी का दिमाग और नेटवर्क काम कर रहा था। वह अपने कबीलाई संपर्कों का इस्तेमाल कर घुसपैठ के रास्तों और रसद को सुगम बनाता था।

2026 आतंकी नेतृत्व के लिए 'काल' का वर्ष

शेख यूसुफ अफरीदी की हत्या इस साल की कोई इकलौती घटना नहीं है। साल 2026 की शुरुआत से अब तक, लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों के 30 से ज्यादा टॉप पदाधिकारी मारे जा चुके हैं। ये हत्याएं लाहौर, कराची, पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में लगातार हो रही हैं।

पाकिस्तानी अधिकारियों की इस पर रहस्यमयी चुप्पी है। विशेषज्ञ इसे आंतरिक गुटीय जंग , प्रतिद्वंद्वी आतंकी गुटों की रंजिश या किसी गुप्त ऑपरेशन (Secret Operations) का परिणाम मान रहे हैं। हाफिज सईद के करीबी सर्कल के लिए यह दूसरा बड़ा झटका है। अफरीदी की मौत से खैबर पख्तूनख्वा में लश्कर का ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है, जिससे आने वाले समय में सीमा पार आतंकी गतिविधियों में कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

इजराइल चुनाव से पहले गठबंधन, पूर्व पीएम बेनेट और लैपिड ने नेतन्याहू के खिलाफ बनाया नया मोर्चा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री नफ्टाली बेनेट और येर लैपिड ने मिलकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को चुनाव में चुनौती देने का फैसला किया है। इस साल के अंत तक इजराइल में चुनाव होने की संभावना है। रविवार को दोनों नेताओं ने घोषणा की कि उनकी पार्टियां बेनेट 2026 और येश अतीद अब साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगी।

इस नए गठबंधन का नाम टुगेदर रखा गया है, जिसका नेतृत्व बेनेट करेंगे। गठबंधन का मकसद विपक्ष को एकजुट करना है, जो फिलहाल बिखरा हुआ है। बेनेट ने कहा कि यह कदम देश के लिए देशभक्ति और जायोनी सोच से प्रेरित है। वहीं लैपिड ने कहा कि बेनेट भले ही दक्षिणपंथी नेता हैं, लेकिन ईमानदार हैं और दोनों

के बीच भरोसा है।

लैपिड ने यह भी कहा कि इस गठबंधन का उद्देश्य आंतरिक मतभेद खत्म कर चुनाव जीतना और इजराइल को आगे ले जाना है। बेनेट ने यह भी वादा किया कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले से पहले की सुरक्षा चूकों की जांच के लिए एक राष्ट्रीय आयोग बनाया जाएगा। मौजूदा नेतन्याहू सरकार ने अब तक ऐसी जांच से इनकार किया है।

क्या दोनों नेता पहली बार साथ आए हैं?

लैपिड और बेनेट पहले भी साथ आ चुके हैं। 2021 के चुनाव में दोनों ने मिलकर नेतन्याहू के 12 साल लंबे शासन को खत्म किया था और सरकार बनाई थी, लेकिन यह गठबंधन सिर्फ 18 महीने ही चल सका। इससे पहले 2013 में भी दोनों ने नेतन्याहू की सरकार में शामिल होकर उनके पारंपरिक सहयोगियों को बाहर कर दिया था।

नेतन्याहू इजराइल के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने नवंबर 2022 में फिर वापसी की और देश की सबसे दक्षिणपंथी सरकार बनाई। लेकिन अक्टूबर 2023 में हमास के हमले और उसके बाद गाजा में युद्ध ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। हाल के सर्वे बता रहे हैं कि अगला चुनाव वह हार सकते हैं।

किस पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं?

एक सर्वे के अनुसार, 120 सीटों वाली संसद में बेनेट को 21 सीटें और नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को 25 सीटें मिल सकती हैं। वहीं लैपिड की पार्टी को सिर्फ 7 सीटें मिलने का अनुमान है, जो पहले 24 सीटें थीं। 54 साल के बेनेट पूर्व सेना कमांडो और टेक कारोबारी हैं, जबकि 62 साल के लैपिड पूर्व टीवी एंकर हैं और खुद को इजराइल के मध्यम वर्ग की आवाज बताते हैं।

आप के 7 सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी, राज्यसभा चेयरमैन ने दी अनुमति, एनडीए का आंकड़ा 148 पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में सोमवार को राज्यसभा में बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। राज्यसभा के चेयरमैन सी.पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय को आधिकारिक मंजूरी दे दी। इस फैसले के बाद उच्च सदन मेंआप की ताकत घटकर सिर्फ तीन सांसदों तक रह गई है।

वहीं, इस बदलाव से भाजपा को सीधा फायदा हुआ है और उसकी संख्या राज्यसभा में बढ़कर 113 पहुंच गई है। इसके साथ ही एनडीए का आंकड़ा 148 पहुंच गया। वहीं, जिन सात सांसदों का भाजपा में विलय हुआ है, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। अब राज्यसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इन सभी को BJP सांसदों की सूची में दिखाया जा रहा है।

आप ने सदस्यता रद्द करने की मांग की थी

जानकारी के अनुसार, इन सांसदों ने शुक्रवार को चेयरमैन से अनुरोध किया था कि उन्हें विलय के बाद भाजपा के सदस्य के रूप में मान्यता दी जाए। चेयरमैन ने उनकी इस मांग को स्वीकार कर लिया। हालांकि, इससे पहले आम आदमी पार्टी ने इन सातों सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पार्टी ने राज्यसभा चेयरमैन के समक्ष याचिका दायर कर उनकी सदस्यता रद्द करने की अपील की थी।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा था कि, पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होने वाले सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले शुक्रवार को आप को उस समय बड़ा झटका लगा था, जब उसके सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने का ऐलान कर दिया था। इन नेताओं ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने मूल सिद्धांतों और मूल्यों से भटक गई है।

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के बैंक खाते पर लगी रोक हटेगी, अदालत ने एनसीबी की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की एक विशेष अदालत ने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती के बैंक खातों को अनफ्रीज करने का आदेश दिया है। यह फैसला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा मादक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रक्रियागत आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण आया है। दरअसल, एनसीबी ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामले की जांच के तहत इन खातों को जब्त किया था। रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक का प्रतिनिधित्व वकील अयाज खान ने किया। उन्होंने तर्क दिया कि एनसीबी ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 की धारा 68एफ (संपत्तियों की जब्ती या फ्रीजिंग के लिए) के तहत अनिवार्य प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का पालन करने में विफल रही। अभियोजन पक्ष ने चक्रवर्ती के कथित बयानों का हवाला देते हुए आवेदन का विरोध किया और कहा कि ये इस बात का सबूत हैं कि वह ड्रग तस्करों के संपर्क में रहने वाले एक ड्रग सिंडिकेट की सक्रिय सदस्य थीं। अभियोजन पक्ष का तर्क था कि जांच अधिकारी द्वारा खाते को फ्रीज करना एक आवश्यक कार्रवाई थी।

कोर्ट ने क्या कहा?

हालांकि, बचाव पक्ष की दलील में योग्यता पाते हुए विशेष एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश यूसी देशमुख ने शनिवार को कहा कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ (2) के तहत, संपत्ति को फ्रीज या जब्त करने का कोई भी आदेश 30 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी द्वारा पुष्टि किया जाना चाहिए। यदि ऐसी कोई पुष्टि नहीं की जाती है, तो आदेश कानूनी रूप से अमान्य हो जाता है। अदालत ने बताया कि प्रतिवादी (एनसीबी) इस बात से इनकार नहीं करता कि अनिवार्य प्रावधान का अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

कोर्ट ने आगे कहा कि इसलिए उच्च न्यायालय के फैसले और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए आवेदन को स्वीकार किए जाने योग्य है। इसके बाद विशेष अदालत ने बैंक खातों को तत्काल डीफ्रीज करने का निर्देश दिया। दोनों के खातों को आरबीआई के नियमों और विनियमों के अनुसार उनका संचालन करने की अनुमति दी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से एनसीबी बॉलीवुड और टेलीविजन उद्योग में कथित तौर पर ड्रग्स के इस्तेमाल की जांच कर रही है। 34 वर्षीय अभिनेता 14 जून, 2020 को मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित अपने अपार्टमेंट में फांसी पर लटके पाए गए थे।

रकुल प्रीत सिंह ने रेड ड्रेस में ढाया कहर, पति पत्नी और वो दो एक्ट्रेस की ग्लैमरस फोटोज वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पति पत्नी और वो दो को लेकर चर्चा में हैं। आजकल वो फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। अब इस बीच रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। हर एक फोटोज में उनका अंदाज देखने लायक है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस पहने दिख रही हैं। रकुल प्रीत सिंह ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का मेकअप किया हुआ है। इसके साथ उन्होंने गोल्डन इयररिंग्स पहने हैं। हाई पोनीटेल में वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। रकुल ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, रूप दी रानी को लगता है, लाल ड्रेस चुरा लेती है।।। है ना? उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाईं हुई हैं। रकुल कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी कालिताना अदाओं ने फैंस को दीवाना बना दिया है। पति पत्नी और वो दो एक्ट्रेस का ये अंदाज देखने लायक है। हर एक तस्वीर में उनकी खूबसरती साफ झलक रही है। रकुल प्रीत सिंह का ये स्टनिंग लुक लोगों को खूब पसंद आ रहा है। यूजर्स अलग-अलग तरह के कमेंट्स कर उनपर प्यार लुटा रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह जल्द ही फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आएंगी। आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और वामिका गब्बी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। ये फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रदर्स एंड सिस्टर्स लेकर आ रहे हैं रिश्तों की गर्माहट, मई में ओटीटी पर रिलीज होगी वेब सीरीज

ओटीटी के इस दौर में जहां एक ओर प्रयोगात्मक और अलग-अलग शैलियों का कंटेंट दर्शकों तक पहुंच रहा है, वहीं आज भी एक बड़ा वर्ग पारिवारिक कहानियों से गहरा जुड़ाव महसूस करता है। इसी पसंद को ध्यान में रखते हुए नई फैमिली ड्रामा वेब सीरीज 'ब्रदर्स एंड सिस्टर्स' दर्शकों के लिए पेश की जा रही है। मेकर्स ने घोषणा की है कि यह शो मई में ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

इसका निर्देशन चिदंबरम मणिवन्नन ने किया है। यह सीरीज परिवार, रिश्तों और भाई-बहनों के बीच के प्यार और संघर्ष को भावुक अंदाज में पेश करती है। इस वेब सीरीज में बोस वेंकट और गायत्री शास्त्री मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ब्रदर्स एंड सिस्टर्स की कहानी चार भाई-बहनों के इर्द-गिर्द घूमती है। सभी भाई-बहनों की सोच, करियर और जिंदगी जीने का तरीका अलग-अलग है।

कोई अपने काम में व्यस्त है तो कोई अपनी निजी जिंदगी की परेशानियों से जूझ रहा है, लेकिन इन सबके बीच जो चीज उन्हें जोड़े रखती है, वह है परिवार का रिश्ता और एक-दूसरे के लिए उनका प्यार। सीरीज में इसी रिश्ते की गर्माहट और परिवार के अंदर होने वाले छोटे-बड़े उतार-चढ़ाव को दिखाया जाएगा। सीरीज में बोस वेंकट एक सख्त पिता के किरदार में नजर आएंगे।

उनका किरदार एक ऐसे व्यक्ति का है, जो कपड़ों का शोरूम चलाता है और अपने परिवार को अपने सिद्धांतों के अनुसार चलाना चाहता है। वहीं गायत्री शास्त्री एक शांत और समझदार गृहिणी की भूमिका निभा रही हैं, जो परिवार को जोड़े रखने की कोशिश करती हैं। इसके अलावा शो में राज अयप्पा, निखिला शंकर, लुथुफ, किशोर, श्रवणिता और प्रोमोथिनी जैसे कई कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

डायरेक्टर चिदंबरम मणिवन्नन ने इस शो को लेकर अपनी भावनाएं भी साझा की हैं। उन्होंने कहा, यह सीरीज मेरे दिल के बेहद करीब है। ब्रदर्स एंड सिस्टर्स सिर्फ एक कहानी नहीं बल्कि एक एहसास है। यह शो उन परिवारों की याद दिलाएगा, जिनमें हम बड़े हुए हैं। कई बार परिवारों में प्यार खुलकर नहीं दिखता, लेकिन वह हर रिश्ते में मौजूद रहता है।

यही भावना इस सीरीज में देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा, आज के समय में ज्यादातर लोग सस्पेंस और थ्रिलर कंटेंट बना रहे हैं, लेकिन मैं कुछ ऐसा बनाना चाहता था जो लोगों के दिल को छू जाए। मेरा मानना है कि दर्शकों को ऐसे शो भी चाहिए जो उन्हें अपने परिवार और रिश्तों की अहमियत का एहसास कराएं। ब्रदर्स एंड सिस्टर्स को 100 एपिसोड की लंबी सीरीज के रूप में तैयार किया गया है। इसे इस तरह बनाया गया है कि दर्शक हर हफ्ते इसके नए एपिसोड का इंतजार करें।

'डर नहीं, दहशत हूं' ; शाहरुख खान की 'किंग' की रिलीज डेट हुई कंफर्म, मेकर्स ने शेयर किया नया टीजर

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की 'किंग' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की भारी-भरकम स्टारकास्ट पहले से ही सुर्खियां बटोर रही है। वहीं पिछले साल शाहरुख के बर्थडे पर फिल्म का पहला लुक सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हैं। अब मेकर्स ने फिल्म का एक नया टीजर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट कंफर्म कर दी है।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा इंस्टाग्राम पर 'किंग' का एक खास टीजर जारी किया गया। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया कि 'किंग' क्रिसमस के मौके पर एक दिन पहले 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस घोषणा के साथ इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प कैप्शन भी शेयर किया गया, जिसमें शाहरुख खान की बॉलीवुड के बादशाह के रूप में लोकप्रियता का जिक्र किया गया।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'एक ऐसी दहाड़ जो साम्राज्य को हिला दे। किंग 24.12.2026 को आ रही है।' साझी की गई छोटी सी झलक में शाहरुख खान एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। जहां वो

कहते हैं, 'डर नहीं, दहशत हूं।'

शाहरुख खान के साथ 'पठान' का निर्देशन कर चुके सिद्धार्थ आनंद ही 'किंग' का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कास्ट पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ, अभय वर्मा और राघव जुयाल समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म के शीर्षक का खुलासा पिछले साल 2 नवंबर को शाहरुख खान के जन्मदिन पर हुआ था। तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। पहले लुक में शाहरुख खान ग्रे कलर के बालों में एक्शन अवतार में नजर आ रहे थे। फिल्म में

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com